हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-124, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, बुधवार 16 अक्टूबर 2024

खानखाहो पर मिलता है रूहानी फैज,हाजी सोहराब...02

डी.ए.पी., यूरिया के साथ अन्य उर्वरक क्रय करने हेतु बाध्य...06

महाराष्ट्र में एक तो झारखंड में दो चरणों में मतदान, 23 नवंबर को आएंगे नतीजे

गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 152 अंक टूटा

राहत भरा मंगलवार, कच्चे तेल में भारी गिरावट

संक्षिप्त समाचार

कनाडा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को बैन करने की उठी मांग

नयी दिल्ली, एजेंसी। न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता जगमीत सिंह ने कनाडा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेटवर्क पर बैन लगाने की मांग की है। सिंह ने यह बयान भारतीय राजनयिकों के निष्कासन और आपराधिक जांच के संदर्भ में जारी किया। जगमीत सिंह ने कहा, ष्आरसीएमपी कमिश्नर द्वारा जारी की गई जानकारी को लेकर न्यू डेमोक्रेट्स चिंतित है। सिंह का आरोप है कि भारतीय अधिकारियों के हाथों कनाडाई, विशेष रूप से कनाडा के सिख समुदाय, डर, धमकी, उत्पीड़न और हिंसा का शिकार हो रहे हैं। उनके मुताबिक सिखों संग जबरन वसूली की जा रही है। बयान में मारे गए आतंकवादी निज्जर का भी जिक्र है। दावा किया गया है कि कनाडा के पास भारत के खिलाफकनाडाई हरदीप सिंह निज्जर (भारत द्वारा घोषित आतंकवादी) के मर्डर से संबंधित पुख्ता सबूत हैं।

योगी के दंगा मुक्त प्रदेश की खुली पोलः इमरान

नयी दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बहराइच में दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान एक व्यक्ति की मौत के बाद सियासत गर्मा गई है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, यह बहुत दुखद घटना है। जिस तरह से सोशल मीडिया पर लगातार वीडियो डाले जा रहे हैं, बहुत ही भयावह है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस मामले को देखना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी के दंगा मुक्त प्रदेश का दावा कहां चला गया। उनकी नाक के नीचे दंगा हो रहा है। खुलेआम दंगाइयों को छूट मिली हुई है। कुछ लोगों की मृत्यु हुई है। लोगों के घर जला दिए और खुलेआम दंगाई उपद्रव करते हुए घूम रहे हैं।

ईडी ने ड्रग तस्कर रंजीत सिंह का घर किया कुर्क, 1.93 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति जब्त

जालंधर, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जालंधर शाखा ने सोमवार को पीएमएलए के प्रावधानों के तहत मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रंजीत सिंह के परिवार के सदस्यों हरभजन सिंह, सरवन सिंह और जसबीर कौर सहित अन्य की 1.93 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से कुर्क कीं। ईडी ने यह जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट की है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से नशा मुक्ति अभियान के तहत देश में नशा तस्करों की भंडाफोड़ करने में मुहिम तेज कर दी है। सोमवार को ईडी दिल्ली जोनल कार्यालय ने 11 अक्टूबर को दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया।

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के निशाने पर मुनव्वर फारुकी,मिली धमकी

मुंबई, एजेंसी। बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद अब गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह ने कॉमेडियन और बिग बॉस 17 के विजेता मुनव्वर फारुकी को धमकी मिली है। धमकी मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने मुनव्वर सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, उन्हें जानकारी मिली थी कि बिश्नोई गैंग से फारुकी को खतरा हो सकता है।

ईसी ने ईवीएम पर फैक्ट के साथ जवाब दिया, प्रोसेस बताई

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया, लोग पूछते हैं कि किसी देश में पेजर से ब्लॉस्ट कर देते हैं, तो ईवीएम क्यों नहीं हैक हो सकती। पेजर कनेक्टेड होता है भाई, ईवीएम नहीं। 6 महीने पहले ईवीएम की चेकिंग शुरू होती है। पोलिंग पर ले जाना, वोटिंग के बाद वापस लाना। हर एक स्टेज पर पॉलिटिकल पार्टी के एजेंट या कैंडिडेट मौजूद होते हैं। जिस दिन कमीशनिंग होती है, उस दिन बैट्री डाली जाती है। वोटिंग से 5-6 दिन पहले कमिशनिंग होती है। इस दिन सिंबल डाले जाते हैं और बैट्री डाली जाती है। बैट्री पर भी एजेंट के दस्तखत डाले जाते हैं। स्ट्रॉग रूम में जाती है, यहां भी 3 लेवल की चेकिंग होती है।

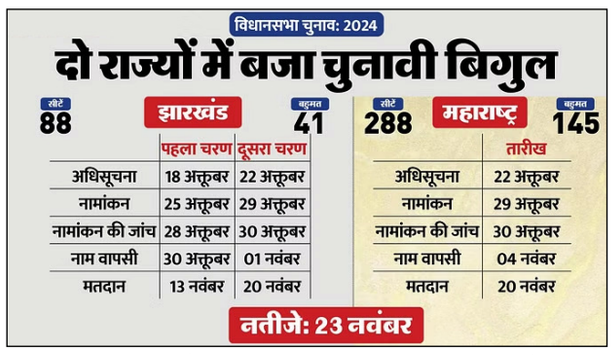

नयी दिल्ली, एजेंसी।

महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। महाराष्ट्र में सिंगल फेज में 20 नवंबर को वोटिंग होगी। वहीं झारखंड में 2 फेज में 13 और 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। दोनों ही रायों के चुनाव नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को और झारखंड का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को खत्म हो रहा है। चुनाव आयोग ने मंगलवार दोपहर 3.30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करके 14 रायों की 48 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान भी किया। लोकसभा सीटों में केरल की वायनाड में 13 नवंबर और महाराष्ट्र के नांदेड़ में 20 नवंबर को वोटिंग होगी। वहीं, 47 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को और उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर 20 नवंबर को मतदान होगा।

2024 चुनावी साल लोकसभा सहित 6 रायों में चुनाव हुए

2024 में लोकसभा के साथ 4 रायों- आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में विधानसभा के चुनाव हुए। लोकसभा में भाजपा अकेले बहुमत का आंकड़ा तो पार नहीं कर पाई, लेकिन सहयोगियों के दम पर रिकॉर्ड लगातार तीसरी बार सरकार बनाई। मोदी पहले गैर कांग्रेसी चेहरे हुए जो तीसरी बार पीएम बने। वहीं, आंध्र प्रदेश में टीडीपी के साथ भाजपा ने सरकार बनाई। चंद्रबाबू नायडू सीएम बने। ओडिशा में पहली बार भाजपा ने पूर्ण बहुमत के साथ मोहन चंद्र माझी के नेतृत्व में सरकार बनाई। सिक्किम में सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) ने सरकार बनाई।

बहराइच हिंसा

मृतक युवक के परिजनों से मिले योगी, बोले आपको न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लखनऊ स्थित सीएम आवास पर बहराइच हिंसा में मारे गए युवक के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें मदद का आश्वासन दिया। पीड़ित परिजनों ने मुख्यमंत्री योगी के सामने अपनी बात रखी और न्याय की मांग की है। परिवार के साथ महसी के भाजपा विधायक सुरेश्वर सिंह भी मौजूद रहे। मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री योगी ने एक्स अकाउंट पर बयान दिया कि बहराइच की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में काल-कवलित हुए युवक के शोक संतप्त परिजनों से आज लखनऊ में भेंट की। दुःख की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता से पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। आश्वस्त रहें, पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना उत्तर प्रदेश सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। इस घोर निंदनीय और अक्षम्य घटना के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। बता दें कि रविवार को बहराइच के महाराजगंज कस्बे में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुए विवाद में रामगोपाल मिश्रा (24) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जिसके बाद हिंसा भड़क उठी। इस दौरान बड़ी संख्या में प्रभावित क्षेत्रों में फोर्स तैनात की गई है। इसके पहले मीडिया से बातचीत में मृतक युवक के परिजनों ने न्याय की मांग की थी। उन्होंने कहा कि दोषियों का उनके सामने एनकाउंटर किया जाए और उनके घरों पर बुलडोजर चलाया जाए।

आक्रोशित भीड़ ने एक दर्जन से अधिक दुकानों में तोड़फोड़ व आगजनी की

महसी के महराजगंज में विसर्जन जुलूस के दौरान हुए विवाद के बाद शुरू हुआ उपद्रव व आगजनी की घटना रविवार पूरी रात जारी रही। इस दौरान आक्रोशित भीड़ ने शहर की एक दर्जन से अधिक दुकानों में तोड़फोड़ व आगजनी की। यही नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में भी रात में तोड़फोड़ की गई। शहर के अस्पताल चौराहे पर रेहुवा मंसूर निवासी रामगोपाल मिश्रा की हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर रही भीड़ रात लगभग 12 बजे उग्र हो गई। भीड़ ने अस्पताल चौराहे के पास स्थित नाई, टायर व एक किराना की दुकानों को आग के हवाले कर दिया। इस दौरान आग बुझाने पहुंचे दमकल वाहन पर भी पथराव कर दिया। सूचना पर पहुंचीं एसपी ने पुलिस कर्मियों के साथ लाठी चार्ज कर लोगों को खदेड़ा। वहीं, लगभग इसी समय पीपल तिराहे के पास स्टीलगंज तालाब स्थित दुकानों पर भी आक्रोशित भीड़ ने धावा बोल दिया। भीड़ ने यहां एक बाइक में आग लगा दी, जिसकी आग एक कपड़े की दुकान में पहुंच गई। दुकान में रखा सामान जल गया।

वक्फ बिल पर जेपीसी मीटिंग से विपक्ष का फिर वॉकआउट

दिल्ली, एजेंसी।

वक्फ बिल पर बनाई गई जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) की मंगलवार को हुई दूसरे दिन की बैठक में भी विपक्ष ने वॉकआउट किया। दरअसल विपक्ष का आरोप है कि जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल नियमों के मुताबिक नहीं चल रहे हैं। इसे लेकर विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को लेटर लिखकर शिकायत की। शिकायत करने वाले नेताओं में कांग्रेस सदस्य गौरव गोगोई, सैयद नसीर हुसैन, इमरान मसूद, डीएमके पार्टी के नेता ए. राजा और एमएम अब्दुल्ला, एआईएमआईएम पार्टी नेता असदुद्दीन ओवैसी और टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी शामिल हैं। इनका कहना है कि जगदंबिका पाल भाजपा का पक्ष लेते हैं। वहीं भाजपा सांसदों ने आरोप लगाया कि विपक्षी सदस्य अध्यक्ष के साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं। वहीं मीटिंग में विधेयक पर चर्चा से ज्यादा मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ आरोपों का चर्चा हुई। एनडीए और विपक्ष नेताओं के बीच हुई तीखी बहस वक्फ बिल पैनल की बैठक के दूसरे दिन एनडीए और विपक्ष सांसदों के बीच तीखी बहस हुई। मंगलवार को वक्फ संशोधिन विधेयक की संसदीय समिति बैठक के दौरान विपक्ष ने भाजपा सांसदों पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। इसके बाद लगातार दूसरे दिन बैठक से बाहर चले गए। वक्फ बोर्ड में महिलाओं को शामिल करने के प्रस्ताव को लेकर भाजपा सांसदों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। भाजपा के निशिकांत दुबे, दिलीप सैकिया, अभिजीत गांगुली और तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी और कांग्रेस के गौरव गोगोई के बीच यह विवाद शुरू हुआ।

➲ अध्यक्ष जगदंबिका पाल के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा, नियमों के उल्लंघन की शिकायत की

जनवरी-सितंबर में भारत में रिकॉर्ड 2.25 लाख आवासीय इकाइयां बिकी

नयी दिल्ली, एजेंसी। इंडियन हाउसिंग मार्केट में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। इस साल के पहले नौ महीनों के दौरान 2,25,000 से ज्यादा यूनिट्स बेचे गए हैं। रियल एस्टेट सलाहकार सीबीआरई की एक रिपोर्ट के अनुसार, आवास बाजार में निरंतर सकारात्मक रुख देखने को मिला जिसने डेवलपर्स को नई परियोजनाओं की तरफ आकर्षित किया। इसके परिणामस्वरूप 2024 के पहले नौ महीनों में लगभग 2,15,000 नई इकाइयों का बाजार में प्रवेश हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है, वर्ष 2024 की पहली छमाही में मजबूत प्रदर्शन और त्योहारी सीजन को देखते हुए हमारा अनुमान है कि आवासीय इकाइयों की बिक्री और नए लॉन्च दोनों में ही जबरदस्त इजाफा देखने को मिल सकता है।

राजनाथ ने तेलंगाना में नौसेना के नये स्टेशन की आधारशिला रखी

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को तेलंगाना के विकाराबाद में दमगुंडम रिजर्व फॉरेस्ट साइट पर 3,200 करोड़ रुपये की लागत से नौसेना के एक नए 'वेरी लो फ़्रीक्वेंसी' (वीएलएफ) स्टेशन की आधारशिला रखी जो 2,900 एकड़ में फैला होगा। यह चुनौतीपूर्ण समुद्री परिदृश्य में प्रभावी कमान और नियंत्रण क्षमताओं को सुनिश्चित करते हुए नौसेना की परिचालन तत्परता को बढ़ाएगा। यह नौसेना संचार बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, लंबी दूरी पर विश्वसनीय और सुरक्षित प्रसारण को सक्षम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर विश्वास जताया कि वीएलएफ स्टेशन देश की सैन्य क्षमताओं का विस्तार करेगा, जो सशस्त्र बलों के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि हाई-टेक वीएलएफ स्टेशन सिर्फ एक सैन्य प्रतिष्ठान नहीं बल्कि राष्ट्रीय महत्व की एक रणनीतिक संपत्ति होगी। श्री सिंह ने कहा, युद्ध के उभरते तरीकों को देखते हुए मनुष्य और मशीनों के बीच प्रभावी समन्वय बेहद महत्वपूर्ण होता जा रहा है। यह वीएलएफ स्टेशन हमारे समुद्री हितों को सुरक्षित करने की दृष्टि से बनाया जा रहा है।

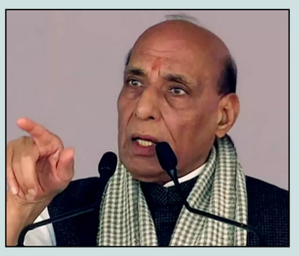

संचार और प्रौद्योगिकी के मामले में भारत दुनिया में सबसे गतिशील देशः मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि आज भारत दूरसंचार और उससे जुड़ी प्रौद्योगिकी के मामले में दुनिया के सबसे गतिशील देशों में से एक है। पीएम मोदी ने यहां आईटीयू डबल्यूटीएसए 2024 और इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) का शुभारंभ करते हुए कहा कि भारत, जहां 120 करोड़ मोबाइल फोन उपयोगकर्ता हैं, 95 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जहां दुनिया के 40 प्रतिशत से अधिक रियल-टाइम डिजिटल लेन-देन होते हैं, जहां डिजिटल कनेक्टिविटी अंतिम छोर तक पहुंचाने का प्रभावी साधन साबित हुई है, वहां वैश्विक दूरसंचार की स्थिति और भविष्य पर चर्चा भी वैश्विक भलाई का माध्यम बनेगी।पीएम मोदी ने कहा, डबल्यूटीएसए आम सहमति से पूरे विश्व को सशक्त बनाने की बात करता है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस कनेक्टिविटी के माध्यम से पूरे विश्व को सशक्त बनाने की बात करता है। यानी इस आयोजन में आम सहमति और कनेक्टिविटी को एक साथ जोड़ा गया है। आप जानते हैं कि आज के संघर्षग्रस्त विश्व के लिए ये दोनों कितने महत्वपूर्ण हैं। भारत हजारों वर्षों से वसुधैव कुटुम्बकम के अमर संदेश को जी रहा है। जब हमें जी20 का नेतृत्व करने का अवसर मिला तो हमने एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का संदेश दिया। भारत दुनिया को संघर्ष से बाहर निकालकर उसे जोड़ने में जुटा है।

लखनऊ में 2 हजार रेजिडेंट डॉक्टरों का प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)।

राजधानी लखनऊ में एक बार फिर रेजिडेंट डॉक्टरों का विरोध-प्रदर्शन रफ्तार पकड़ रहा है। मंगलवार को विरोध प्रदर्शन तेज होने के साथ रेजिडेंट हड़ताल पर भी उतर गए। इससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इससे पहले कोलकाता की घटना के दौरान रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल की थी। तब ओपीडी में रेजिडेंट डॉक्टर नहीं होंगे, वहां फैकल्टी ही इलाज करेगा। लखनऊ के एसजीपीजीआई अस्पताल में आसाम से इलाज कराने पहुंचे पिंटू गुप्ता का कहना है कि पैर में तकलीफ है। सुबह जब अस्पताल पहुंचे तो काफी भीड़ लगी थी। लोगों से पूछा तो पता चला कि यहां पर आज डॉक्टर नहीं बैठेंगे। आज डॉक्टरों की हड़ताल है। इधर,एसजीपीजीआई अस्पताल में ही देवरिया से शंभू और गोरखपुर से आए सुजीत साहू पहुंचे। शंभू कहते हैं कि मां का इलाज कराने आए हैं। यहां आकर पता चला कि डॉक्टरों की हड़ताल है। पहले से पता होता तो आज न का कर किसी और दिन आते या फिर दूसरी जगह जाकर दिखा देते। गोरखपुर से आए सुजीत साहू ने बताया कि आंखों में समस्या है। यहां आकर पता चला कि हड़ताल है। अब समझ में नहीं आ रहा है कि क्या करें। फेडरेशन ऑफ इंडियन मेडीकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव और केजीएमयू के रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. दिव्यांश सिंह कहते हैं कि कोलकाता की घटना के बाद से 2 महीने से देश भर के डॉक्टर सहित हम लोग भी प्रोटेस्ट कर रहे थे। इस बीच चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने जब काम पर लौटने की गुहार लगाई तो हम सभी वापस काम पर लौट आए।

➲ एसजीपीजीआई में नहीं बने नए परचे, मरीज इलाज के लिए भटक रहे

बड़ी संख्या में मरीज और तीमारदार इलाज को तरसे थे। कई मरीजों की सर्जरी भी टालनी पड़ी थी। एसजीपीजीआई के रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के प्रभारी डॉ. अंशुमान सिंह ने बताया कि आज से सभी रेजिडेंट डॉक्टर इलेक्टिव सर्विस का बायकॉट कर रहे हैं। जो भी इमरजेंसी या एसेंशियल सर्विस होंगी, उनका काम जारी रहेगा।

एयर इंडिया के विमान में बम होने की सूचना से मचा हड़कंप, अयोध्या एयरपोर्ट पर हुई सुरक्षित लैंडिंग

अयोध्या, संवाददाता।

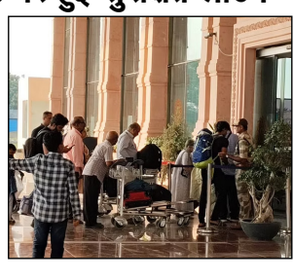

एयर इंडिया के विमान में बम होने की सूचना पर हड़कंप मच गया। विमान को सुरक्षित अयोध्या एयरपोर्ट पर उतार लिया गया है। इस समय विमान में 139 यात्री सवार थे। एयरपोर्ट प्रशासन ने सूचना मिलने पर पहले से ही तैयारी कर ली गई थी। एयर इंडिया का विमान जयपुर से चला था। अधिकारियों के निर्देश पर अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग कराई गई है। 24 घंटे के अंदर एयर इंडिया के विमान में बम रखने की दूसरी धमकी मिली है। कमिश्नर, एसएसपी और एसपी सिटी सहित सुरक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर जांच कर रहे हैं। किसी को आकस्मिक उपचार के लिए कोई असुविधा न हो इसके लिए एयरपोर्ट पर सीएमओ डॉक्टर संजय जैन भी उपस्थित हैं फिलहाल अभी तक विमान में किसी भी प्रकार का बम नहीं मिला है। एयरपोर्ट पर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। अब से कुछ ही देर पहले वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरण नय्यर एयरपोर्ट से बाहर निकले और वहां से रवाना हो गए हैं। जब उनसे एयरपोर्ट के भीतर के हालात के बारे में जानकारी मांगी गई तो उन्होंने फिलहाल कुछ भी बताने से इनकार कर दिया है। इस बीच एटीएस की एक टुकड़ी भी यहां पर पहुंच गई है। कुछ अधिकारी पहले ही भीतर चले गए थे। अभी-अभी सीएमओ डॉक्टर संजय जैन एयरपोर्ट के भीतर से बाहर निकले हैं उनका कहना है कि वह आकस्मिक स्थिति में मेडिकल सेवा उपलब्ध कराने की दृष्टि के लिए आए थे फिलहाल ऐसी कोई जरूरत नहीं पड़ी है।

अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदेगा भारत, 32 हजार करोड़ की डील फाइनल

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका ने मंगलवार को तीनों सेनाओं के लिए 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदने और देश में उनके लिए रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल सुविधा स्थापित करने के लिए 32,000 करोड़ रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर किए। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, भारत और अमेरिका के बीच इस सौदे पर वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। पिछले हफ्ते, कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने 31 प्रीडेटर ड्रोन के अधिग्रहण को मंजूरी दी थी । इन 31 प्रीडेटर ड्रोन में से 15 भारतीय नौसेना को मिलेंगे , जबकि बाकी को वायु सेना और सेना के बीच समान रूप से विभाजित किया जाएगा। सोमवार को एएनआई से बात करते हुए रक्षा अधिकारियों ने कहा कि 31 प्रीडेटर ड्रोन और एमआरओ के लिए अमेरिकी सरकार के साथ विदेशी सैन्य बिक्री अनुबंध पर मंगलवार को हस्ताक्षर किए जाने थे। अधिकारियों ने कहा कि इन अनुबंधों पर हस्ताक्षर करने के लिए सैन्य और कॉर्पोरेट अधिकारियों की अमेरिकी टीम शहर में है।

चुनाव से पहले फ्री वाली स्कीमों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

केंद्र और ईसी को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नयी दिल्ली, एजेंसी। चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त वादों को रिश्वत घोषित करने की मांग वाली याचिका पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने केंद्र और चुनाव आयोग को इस संबंध में नोटिस जारी किया है। याचिका में अनुरोध किया गया है कि चुनाव आयोग को ऐसे मुफ्त वादों पर रोक लगाने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए जाएं। याचिका में कहा गया है कि चुनावों के दौरान राजनीतिक दल अक्सर मुफ्त सुविधाएं देने का वादा करते हैं, जो भविष्य में वित्तीय बोझ का कारण बनते हैं। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस याचिका पर सुनवाई के दौरान केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया। इसके साथ ही, इस याचिका को लंबित मामलों के साथ भी टैग किया गया, जिससे इसकी गंभीरता को समझा जा सके। इस कदम से यह संकेत मिलता है कि अदालत इस मामले को गंभीरता से ले रही है और चुनावों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाने की आवश्यकता को महसूस कर रही है। कर्नाटक के निवासी शशांक जे श्रीधर द्वारा दायर जनहित याचिका में यह कहा गया है कि मुफ्त के अनियमित वादे सरकारी खजाने पर अत्यधिक वित्तीय बोझ डालते हैं। याचिका में चुनाव आयोग से यह अनुरोध किया गया है कि वह चुनाव पूर्व अवधि के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाले मुफ्त वादों को रोकने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाए। याचिकाकर्ता का तर्क है कि इन वादों के कारण न केवल सरकारी खजाने पर दबाव बढ़ता है, बल्कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पारदर्शिता को भी कमजोर करता है।

खानखाहो पर मिलता है रूहानी फैज,हाजी सोहराब अली कादरी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जिले के लहरपुर कस्बे के मोहल्ला गांधी नगर स्थित मशहूर खानकाह हज़रत रमज़ान अली शाह मुरली वाले बाबा का सालाना उर्स रूहानी माहौल में अकीदत और सादगी के साथ मनाया गया। दरगाह कमेटी के सिक्रेटरी हाजी सोहराब अली कादरी व मुतवल्ली हाजी मुन्नन अली ने कहा कि खानकाहों और बुजुर्गों के आसतानों पर हाजिरी देने और उनसे निसबत रखने से रूहानी फ़ैज़ तो मिलता ही है साथ ही साथ जिंदगी को बेहतर बनाने का वसीला भी मिलता है। बुजुर्गो और वलियों ने नेक अमल करने, बुराई से दूर रहने और सारी इंसानियत की भलाई एवं मदद करने का हुक्म दिया है। बुजुर्गो के बताए रास्ते पर चलना और उनकी तालीम पर अमल करना ही सच्ची अकीदत है। उर्स के मौके पर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष हाजी रियाज अहमद बबलू,नगर पालिका परिषद लहरपुर के चेयरमैन हाजी जावेद,पूर्व चैयरमैन गुफरान अहमद तथा मुतवल्ली हाजी मुन्नन अली की सरपरस्ती में उर्स की सभी रस्में अदा की गई। जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शरीक हुए। सुबह मजार शरीफ पर कुरान ख्वानी का आयोजन किया गया।उसके बाद रमज़ान अली शाह मुरली वाले बाबा की ख़ानक़ाह पर अकीदतमंदों ने गुलपाशी की एवं चादर पेश किया।फातिहा ख्वानी तथा दुरूद व सलाम के नज़राने पेश करके फ़ैज़ हासिल किया।इस मौके पर अकीदतमंदों को तबर्रुक और लंगर भी तकसीम किया गया। उर्स के मौके पर मौजूद अकीदतमंदों को सम्बोधित करते हुए दरगाह कमेटी के सिक्रेटरी हाजी सोहराब अली कादरी व मुतवल्ली हाजी मुन्नन अली ने कहा कि खानकाहों और बुजुर्गों के आसतानों पर हाजिरी देने और उनसे निसबत रखने से रूहानी फ़ैज़ तो मिलता ही है साथ ही साथ जिंदगी को बेहतर बनाने का वसीला भी मिलता है। बुजुर्गो और वलियों ने नेक अमल करने, बुराई से दूर रहने और सारी इंसानियत की भलाई एवं मदद करने का हुक्म दिया है। बुजुर्गो के बताए रास्ते पर चलना और उनकी तालीम पर अमल करना ही सच्ची अकीदत है। उर्स के मौके पर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष हाजी रियाज अहमद बबलू,नगर पालिका परिषद लहरपुर के चेयरमैन हाजी जावेद,पूर्व चैयरमैन गुफरान अहमद खीरी,शायर अनवर बिस वानी,समाजसेवी/एड०जेड आर रहमानी,डॉ०जर्रार अली,रजीउद्दीन अंसारी , मो०शाहान राजा,हाजी जियाउल मुदस्सिर,सद्दाम अंसारी,खुर्शेद अली गौरी , सभासद मो०शोएब कुरैशी, अरफातअली,कारी नूरुल हुदा मिसबाही,हाफिज सैय्यद मुख्तार हुसैन, हाफिज अख्तर रजा बरकाती,हारून मियां कुरैशी खीरी,शफीक कुरैशी फजल यूनुस,अब्दुल, अजीज शीबू,मुन्ना चूड़ी खीरी, मो०गुलफाम, मो० यूनुस कुरैशी,इबादत अली, डॉ०अफजल लहरपुरी, इस्लामुद्दीन अंसारी , मोहम्मद आफाक,शिक्षक जुबेर वारिस,आदि बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

एस.एफ.आई.ओ. सहारा क्यू शॉप यूनिक प्रोडक्ट रेंज लिमिटेड के निवेशकों को भेज रहा सम्मन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। सहारा इण्डिया जमाकर्ताओं को भुगतान वापसी नहीं कर रहा है जिससे निवेशक काफी परेशान एवं पीड़ित हैं। सहारा इण्डिया की कम्पनियों एवं सोसाइटियों से भुगतान न मिलने के कारण पोर्टल पर अट्ठानबे प्रतिशत डिफेसेन्शी दिखाई पड़ने के कारण सहारा इंडिया के साथ साथ सीआर सी एवं सरकार से जमाकर्ता नाराज नजर आ रहे हैं। अब जमाकर्ताओं द्वारा जनहित याचिका में अपना नाम बढ़वाने की जानकारी एक दूसरे से प्राप्त कर रहे। सोसाइटियों के भुगतान हेतु सहारा रिफंड पोर्टल 18 जुलाई 2023 को भुगतान हेतु बनाया गया था परन्तु उससे अट्ठानबे प्रतिशत प्रतिशत लोगों को भुगतान नहीं मिल सका।वहीं बात सहारा की कई कम्पनी जैसे क्यू शॉप यूनिक प्रोडक्ट रेन्ज लिमिटेड के जमा कर्ताओं के भुगतान सहारा एवं रजिस्ट्रार कम्पनीज द्वारा न पोर्टल बनाया गया है न ही ब्रांचों से भुगतान कर रहा है।एसएफ आईओ की तरफ से सम्मन मिल रहे हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं जिससे जमाकर्ता आपस में एक-दूसरे से सम्पर्क कर जानकारी साझा कर रहे हैं इतना ही नहीं देश भर के सहारा इण्डिया जमा कर्ता अब एक दूसरे का नम्बर तथा वाट्सएप ग्रुपों में जोड़कर जानकारी साझा कर रहे हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट में विश्व भारती जन सेवा संस्थान की तरफ से रिट याचिका लगाई गई थी उसकी सुनवाई नहीं हो सकी जो आगे की तारीख में होने की संभावना है अभी तारीख नहीं निश्चित हो सकी जिसके लिए देशभर के जमाकर्ताओं की निगाहें सुबह से लगीं थीं तारीख बढ़ने से सभी जमाकर्ता मायूस नजर आए। सहारा इंडिया ने सरकारी संस्थाओं से लाइसेंस लेकर गांव गरीब जमाकर्ताओं को ऐसा फंसाया गया है कि हर मामले में कोई न कोई रोड़ा बन जाता है।जमाकर्ता सरकार एवं सुप्रीम कोर्ट की तरफ भुगतान की आस लगाए बैठे हैं।वहीं सहारा इण्डिया अभी तक सुब्रत राय सहारा के मरने के बाद चेयरमैन घोषित नहीं कर सकी है।तथा जमाकर्ताओं के भुगतान के बारे में सहारा इण्डिया एवं सरकार कुछ बोल नहीं रही है।

वार्ड नंबर 11 चरकेडिया मुहल्ला में आरसीसी नाली निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

हरिहरगंज झारखंड। नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 11चर के डिया मुहल्ला में नगर विकास एवं आवास विभाग योजना से यमुना सिंह के घर से बटाने नदी तक आरसीसी नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास मंगलवार को सांसद प्रतिनिधि अरुण कुमार मिश्रा एवं भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष समाजसेवी राजीव रंजन ने विधिवत् पूजा अर्चना के बाद नारियल फोड़कर किया। मुहल्ले में नाली निर्माण नही होने से ग्रामीणों को एक साथ कई परेशानियों से गुजरना पड़ रहा था। अब नाली बन जाने के बाद मुहल्ले वासियों को जल निकासी की समस्या का निदान हो जाएगा। वहीं लोगों ने नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किए जाने पर प्रसन्नता जताई है। उक्त कार्य का निर्माण महाकाल इंटरप्राइजेज के द्वारा कराया जाना है। शिलान्यास के मौके पर संवेदक विपुल गुप्ता, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष सह समाजसेवी राजीव रंजन, मुखिया प्रतिनिधि अरविंद पासवान, शिक्षक मृत्युंजय सिंह, अभय सिंह, धर्मेंद्र पटेल, दिनेश मेहता, मुकेश मेहता, सुरेंद्र सिंह, विजय प्रजापति, पवन कुमार तथा सरस्वती देवी आदि कई ग्रामीण मौजूद थे।

जयंती पर शिद्दत से याद किए गए मिसाईल मैन डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम

तीसरा विकल्प न्यूज़ - मोहम्मद इब्राहिम

चाईबासा झारखंड। कांग्रेस भवन, चाईबासा में मंगलवार को महान वैज्ञानिक एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ०ए.पी.जे.अब्दुल कलाम की जयंती मनाई गई । भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ० ए.पी.जे.अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया । डॉ०कलाम के व्यक्तित्व उनके जीवन उनकी शिक्षा एवं संदेश पर चर्चा की गई । कांग्रेसियों ने कहा कि डॉ० कलाम ना सिर्फ एक महान वैज्ञानिक , प्रेरणादायक नेता थे बल्कि अद्भुत इंसान भी थे चमत्कारिक प्रतिभा के धनी अब्दुल कलाम का व्यक्तित्व इतना उन्नत था कि वह सभी धर्म जाति एवं संप्रदायों के व्यक्ति नजर आते थे । वह एक ऐसे भारतीय थे जो सभी के लिए एक महान आदर्श बन चुके है । डॉ० कलाम एक बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे भारत की अत्याधुनिक रक्षा तकनीक के पीछे एक मजबूत ताकत बनकर उसे साकार करने का श्रेय डॉ० कलाम को जाता है। इस अवसर पर जिला बीस सूत्री सदस्य त्रिशानु राय , जिला कांग्रेस महासचिव कैरा बिरुवा , लियोनार्ड बोदरा , प्रवक्ता जगदीश सुंडी , राकेश कुमार सिंह , सुशील कुमार दास आदि उपस्थित थे ।

पेशरार के चांदगो बाघधरा एंव कोयला खाड़ नदी पर पुल निर्माण कार्य शुरू, ग्रामीणों ने जताई खुशी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

लोहरदगा झारखंड । पेशरार प्रखण्ड के रोरद पंचायत अंतर्गत रोरद चांदगो बाघधरा एवं हेसाग पंचायत के हतवल से पहाड़ डांडू जाने वाले पथ में कोयला खाड़ नदी पर पुल निर्माण कार्य शुरू किया गया। उक्त दोनों नदी पर पुल नहीं होने के कारण स्थानीय ग्रामीणों को आवागमन करने में काफी परेशानी उठानी पड़ती हैं। साथ ही इसी सड़क से कई गांव के ग्रामीण प्रखंड एवं जिला मुख्यालय आवागमन करते हैं। साथ ही विद्यार्थी स्कूल-कॉलेज भी आवागमन करते है। जिससे काफी समस्या होती है और अभी बरसात के मौसम में बारिश होने के कारण आवागमन बाधित हो जा रहा है। वहीं पुल निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से लोगों की समस्या का समाधान होगा एवं आवागमन करने में काफी सहूलियत होगी। पुल निर्माण को लेकर कार्य शुरू होने से स्थानीय ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि पुल निर्माण का कार्य जल्द पूर्ण होने से समस्या का समाधान होगा। जिससे लोगों को वर्तमान में जो समस्या उठानी पड़ रही है उससे निजात मिल सकेगी। गौरतलब हो कि पुल निर्माण कार्य लोहरदगा ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल कार्यालय की ओर से कराया जा रहा है।

आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव अंजू देवी का चुनावी दौरा शुरू

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

लोहरदगा। विधानसभा क्षेत्र से एनडीए गठबंधन को जीतने को लेकर चूल्हा प्रमुख का गठन किया गया। जिसमें आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव अंजू देवी ने किस्को प्रखंड के विभिन्न गांव में महिलाओं के साथ बैठकर चूल्हा प्रमुख का गठन किया गया। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी को जिताने को लेकर सभी चूल्हा प्रमुख को लोगों से वोट की मांग करने की अपील की गई। बैठक में मुख्य रूप बानो उरांव, बालमनी देवी, मंजू देवी, रिंकी देवी, जनक महतो द्वारिका महतो, सुरेश उरांव, पंचराम महली, अनिल महली, तेतरी देवी, बासमती देवी, कमला उरांव सहित अन्य मौजूद थे।

फोटो युक्त हाजिरी आदेश वापस लिए जाने की ए एन एम ने उठाई मांग,सौपा ज्ञापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जिले के लहरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर मंगलवार को ए एन एम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अधीक्षक को ज्ञापन देकर फोटो युक्त हाजिरी लगाने के आदेश को वापस लिए जाने की मांग करते हुए चेतावनी दी, कि यदि आदेश को समय रहते निरस्त नहीं किया गया तो सभी एएनएम बुधवार से उक्त आदेश के विरोध में कार्य बंद कर विरोध प्रदर्शन करेंगी। ज्ञातव्य है कि शासन द्वारा सभी सब सेंटर पर तैनात महिला एएनएम को अपनी उपस्थिति की फोटो अपलोड करने के आदेश दिए गए हैं, जिसके विरोध में भारी संख्या में एएनएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुंचकर एक ज्ञापन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधीक्षक डॉ0अरविंद बाजपेई को देते हुए मांग की कि, प्रतिदिन उपकेन्द्र पर फोटो अपडेट करना किसी भी स्तर पर संभव नहीं है, क्योंकि एएनएम द्वारा क्षेत्र में टीकाकरण कार्य व अन्य गतिविधियां भी करनी होती हैं, एएनएम ने उक्त नवीन आदेश को निरस्त करने की मांग की और कहा कि, यदि उक्त आदेश निरस्त नहीं होता है तो बुधवार से काम बंद कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर प्रमुख रूप से अनीमता बाजपेई, सोनम उमादेवी,प्रेमलता,फूलमती, जूली,आशा देवी,शालिनी गुप्ता,सीमा देवी सहित भारी संख्या में एएनएम उपस्थित थीं।

मंडियां सम्मान योजना के पोर्टल में खाता नंबर सुधार को लेकर बीडीओ को दिया गया आवेदन

➲ पोर्टल में आईएफएससी कोड सुधार का ऑप्शन नहीं दिए जाने से महिलाएं परेशान

तीसरा विकल्प न्यूज़ - शकील अहमद

लोहरदगा झारखंड। किस्को प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव की महिलाओं ने मंगलवार को मंईयाँ सम्मान योजना के पोर्टल में खाता नंबर और आईएफएससी कोड गलत एंट्री होने को लेकर बीडीओ से शिकायत की। जिसमें मंईयाँ सम्मान योजना के पोर्टल में आईएफएससी कोड और खाता नंबर सुधार की मांग गई। जिसमें कहा गया है कि झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मंईयाँ सम्मान योजना का लाभ हेतु ऑनलाइन आवेदन कराया गया था। जिसमें गलत डेटा एंट्री हो गया है। इस कारण योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है और सभी महिलाएं 2 महीने से सुधार के लिए प्रखण्ड मुख्यालय का चक्कर लगा रहे हैं। साथ ही महिलाओं ने बताई की ब्लॉक ऑपरेटर से मिलने पर पता चला कि मंईयाँ सम्मान योजना के पोर्टल में आईएफएससी कोड सुधार का ऑप्शन अभी तक नहीं दिया है। साथ ही कुछ लोगों का ही सुधार हेतु सूची आया है केवल वैसी महिलाओं का ही सुधार का कार्य किया जा रहा है। आवेदन देने वालों में सोनम उराँव, मीना देवी, विमल उराँव, गुलनाज खातून, सबीहा खातून, अफसाना परवीन, नाजिया परवीन, गुलअफशा खातून, रिजवाना बीवी, मोनिका खातून, मुशर्रफ परवीन, रेहाना बीवी, चांदनी खातून, जहां आरा सहित अन्य शामिल है।

हरिहरगंज व पिपरा प्रखंड में विधायक ने किया 15 करोड़ के आठ योजनाओं का शिलान्यास

➲ प्राथमिकता के आधार पर क्षेत्र में विकास किया गया: विधायक

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

हरिहरगंज पिपरा। हरिहरगंज- हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र के विधायक कमलेश कुमार सिंह ने आठ योजनाओं का ऑनलाइन शिलान्यास किया। कार्यस्थल पर विधायक प्रतिनिधि अजीत कुमार सिंह ने नारियल फोड़कर इसकी शुरूआत किया। विधायक श्री सिंह ने लगभग 15 करोड़ की लागत से 7 सड़क के अलावा 1 पुल निर्माण की आधारशिला रखी। ऑनलाइन संबोधन में विधायक कमलेश कुमार सिंह ने कहा कि क्षेत्र का चौमुखी विकास करना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सभी गांव में मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने का भरपूर प्रयास किया गया। वही पिपरा प्रखंड अंतर्गत मेन रोड़ से तेंदुई तक पथ का सुदृढ़ीकरण, मेन रोड़ से दमवा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य, आरसीडी पथ से पिपरा ब्लॉक एवं थाना तक सुदृढ़ीकरण कार्य, मेन रोड़ बारा से बनाही तक पथ का सुदृढ़ीकरण, दलपतपुर से पोलदा भाया महुगाईन तक पथ का सुदृढ़ीकरण जबकी हरिहरगंज एनएच 139 ढाबकला से भांवर तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य, तुरी पथ से कोशडीहरा भाया विशुनपुर पिपरा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य तथा मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना अंतर्गत तेंदुई पंचायत के टंडवा जगदीशपुर अमझर नदी पर पुल निर्माण कार्य शामिल हैं। मौके पर विधायक प्रतिनिधि अजीत कुमार सिंह, कान्हा सिंह, बबलू सिंह, जनेश्वर भुइयां, रामप्रवेश भुइयां विजय भुइयां, सुनील सिंह, भगवती सिंह, जयशंकर सिंह, नागेंद्र सिंह प्रहलाद सिंह विमलेश सिंह महेंद्र भुइयां, प्रमोद, हरेंद्र, सीताराम, भुइयां सहित भाजपा के कई नेता कार्यकर्ता व ग्रामीण शामिल थे।

किस्को पेट्रोल पंप के समीप में बाइक की टक्कर से साइकिल सवार युवक घायल

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

लोहरदगा। किस्को- नारी नवाडीह मुख्य सड़क के किस्को पेट्रोल पंप के समीप में मंगलवार को अज्ञात बाइक की टक्कर से साइकिल सवार व्यक्ति घायल हुआ। जिसकी पहचान देवदरिया पंचायत क्षेत्र के बरपानी निवासी समेश्वर नगेसिया पिता जगदेव नगेसिया के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि समेश्वर नगेसिया शराब के नशे में साइकिल से घर लौट रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही बाइक से टक्कर हो गई। जिसमें समेश्वर नगेसिया के सर और अन्य जगह चोटें लगी। जबकि बाइक सवारी युवक मौके से फरार हो गया। घायल अवस्था में पड़ा देख कांग्रेस के छात्र नेता मनौवर आलम एवं कांग्रेसी नेता सकीम अंसारी के द्वारा अपने बाइक में उठाकर किस्को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अशोक कुमार औड़ेया के द्वारा मरहम पट्टी कर इलाज किया जा रहा है।

विधानसभा चुनाव को देखते हुए नेशनल आईटीआई कॉलेज में क्षेत्र वासियों ने किया चुनाव पर चर्चा

➢ लोकतंत्र की मजबूती को लेकर स्वच्छ छवि की प्रतिनिधि का हो चुनाव -राजीव

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

झारखंड। हरिहरगंज प्रखण्ड क्षेत्र के नेशनल आईटीआई कॉलेज कौवाखोह में मंगलवार को समाजसेवी राजीव रंजन की अध्यक्षता में विधानसभा चुनाव को देखते हुए क्षेत्रवासियों के साथ विचार गोष्ठी का आयोजन किया । इस दौरान विचार गोष्ठी में प्रबुद्ध लोग, जन प्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता राजीव रंजन ने कहा कि लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है चुनाव, जिसके द्वारा लोग अपने प्रतिनिधियों को चुनते हैं। पहले की अपेक्षा आज के माहौल में वोटर्स में जागरूकता बढ़ी है। वे अपने हक और अधिकारों को समझने लगे हैं। जरूरत है कि क्षेत्र की सर्वांगीण विकास के लिए ईमानदार छवि के जनप्रतिनिधि को ही चयन किया जाए। इसके लिए क्षेत्र के तमाम मतदाताओं को वोट की अहमियत समझना होगा। उन्होंने तमाम वोटरों से वोट के अधिकार का प्रयोग करते हुए लोकतंत्र को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। कहां की कभी अमीरी गरीबी, कभी जात-पात के नाम पर लोग भोट लेकर 5 वर्ष जनता को प्रतिनिधि लूटते हैं। विचार गोष्ठी के बाद दोपहर में भोज का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी सत्येंद्र मेहता, पूर्व मुखिया सुरेश चौधरी, अवधेश कुमार मेहता, रघुनंदन साव,मृत्युंजय सिंह, विनय सिंह, विश्व दीप कुमार, विजय प्रजापति, संजय मेहता, अरविंद बोस, नवीन दुबे, ब्रजेश सिंह, संजय पासवान, विनय विश्वकर्मा, मनोज विश्वकर्मा, सुरेश यादव, अनिल यादव, मनोज सिंह, अजय स्वर्णकार, शंभू यादव, दिलीप मेहता, अनुज मिश्रा, विजय शौंडीक, नरेंद्र गुप्ता, रवि रंजन वर्मा सहित सैकड़ो की संख्या में लोग शामिल थे।

विष पीते हुए युग बीत गये अब ताण्डव नृत्य हमें करना है

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। ऐतिहासिक रामलीला मेला मैदान में नगर पालिका परिषद बिसवां द्वारा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कवि सम्मेलन का संयोजन साहित्य भूषण कवि कमलेश मौर्य मृदु के मार्ग दर्शन में राष्ट्रीय कवि संगम सीतापुर इकाई व संस्कार भारती बिसवां इकाई के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। कार्यक्रम संयोजक आनन्द खत्री आनन्द द्वाराअतिथियो का स्वागत किया गया। तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार पद्मकांत शर्मा प्रभात ने की सफल संचालन कवि संजय सांवरा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कवियित्री सोनी मिश्रा की वाणी वंदना के साथ हुआ। कवि सम्मेलन का संचालन कर रहे संजय सांवरा ने कहा गुरुदेव कमलेश मौर्य मृदु आज इस मंच पर भले ही स्वास्थ्य कारणों से उपस्थित नहीं हो पाये है ।पर आज देश में जो दंगों व पत्थर बाजी की घटनाएं हो रही है उन पर प्रतिक्रिया स्वरूप एक सवैया छंद भेजते हुए सनातन धर्म के अनुयायियों का आह्वान किया है मैं उन पंक्तियों को प्रस्तुत कर रहा हूं। इन पंक्तियों पर मृदु सम्मान में तालियां बजाकर उनकी उपस्थिति को साकार कर दीजियेगा फुफकारते आज जेहादी खड़े हमको बिना मौत नहीं मरना है।फन को हम नाथ के नाचने वाले कन्हैया हैं व्यर्थ नहीं डरना है।भय के बिना प्रीति न होती कभी यह ज्ञान सनातन में भरना है।विष पीते हुए युग बीत गए अब ताण्डव नृत्य हमें करना है। इस कार्यक्रम में कलकत्ता से पधारे श्यामल मजूमदार सामाजिक परिपेक्ष्य पर कुठाराघात करते हुए कहा कि धूप निकली थी कल अब गलन हो गयी,धूप भी आज कल बदचलन हो गयी। काकोरी लखनऊ से पधारे कवि अशोक अग्निपथी ने कहा कि यदि काकोरी की माटी का स्वर्णिम इतिहास नही होता,तो हम सबके इस जीवन में मधुरिम मधुमास नहीं होता%%। काशी से पधारे अटल नारायण अटल ने कहा कि राम नाम जपते थे वीर हनुमान नित्य नाम के प्रभाव से ही पाप का शमन है। पीलीभीत से पधारी श्रृंगार की कवयित्री सरोज सरगम ने कहा कि बिन बादल बरखा की प्यास बुझा जाओ प्रीत की रीत ओ साजन आज निभा जाओ। बाराबंकी से ओज कवि शिवकुमार व्यास ने कहा तन से हूं कमजोर लेकिन मन शिवाला है। लीक से हटकर चलन का शौक पाला है।भीख में ले रौशनी मैं चांद सा दिखता नहीं, हूं भले जुगनू मगर अपना उजाला है।। हास्य व्यंग्य के सशक्त हस्ताक्षर विकास बौखल, बाराबंकी ने खूब हंसाया किसी खंजर से ना तलवार से जोड़ा जाए।सारी दुनिया को चलो प्यार से जोड़ा जाए।ये किसी शख्स को दोबारा ना मिलने पाए,प्यार के रोग को आधार से जोड़ा जाए। बाराबंकी से हास्य कवि संदीप अनुरागी लखनऊ से चेत राम अग्यानी ने अपने काव्यपाठ से श्रोताओं का मन मोह लिया देर रात तक श्रोतागण डटे रहे तालियों से कवियों का उत्साहवर्धन करते रहे। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद के अधिकारी आशीष यादव,शौरभ शुक्ला अजित सिंह अहमद हुसेन, सहित रोहित शर्मा बिन्दु पंकज आदि का विशेष सहयोग रहा। श्रोताओ में कवि अरुण बेधड़क,बैकुंठ सागर,विजय रस्तोगी,शिवानंद प्रेमी, अमोद मिश्र,उप निरीक्षक कवि रमेश सिंह,शायर नैय्यर शाकेब,अमोद मिश्र, नरेंद्र मिश्र,मनोज श्रीवास्तव अरुण मिश्र,रविन्द्र मिश्र आशुतोष मिश्र सहित बडी संख्या मे नगर के संभ्रांत जन उपस्थित रहे।यह कवि सम्मेलन नगर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

परेशान उपभोक्ताओं ने नादरगंज मुख्य अधिशासी अभियंता को दिया ज्ञापन

❑ क्षेत्र में लगी बल्लियों के स्थान पर बिजली के खंभों को लगाया जाय: संजय गुप्ता ❑ उपभोक्ताओं के यहां लगे स्मार्ट मीटर बढ़ा रहे हैं बिजली का बिल: स्थानीय उपभोक्ता ❑ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद,परेशान उपभोक्ताओं की समस्याओं का समय पर नहीं हो रहा है निस्तारण: परेशान उपभोक्ता

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिजली विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया था किसी भी उपभोक्ता को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए उनकी समस्याओं का निस्तारण तत्काल किया जाए. इसके बावजूद गहरू पावर हाउस के जेई, एसडीओ, लाइनमैन सुधरने का नाम नहीं ले रहे. गहरू पावर हाउस में घंटी बजती रहती है उपभोक्ताओं का फोन नहीं उठाते हैं. उपभोक्ताओं को बिना सूचना दिए बिजली काट देते हैं. चोरों का आतंक कितना फैला हुआ है वह घात लगाकर बैठे होते हैं और अंधेरे का इंतजार करते रहते हैं. अंधेरे का फायदा उठाकर धावा बोल देते हैं. बिजली से समस्या को लेकर आय दिन उपभोक्ता परेशान हो रहे और समस्याओं से सम्बंधित प्रार्थना पत्र देने के बावजूद बिजली विभाग द्वारा समय पर निस्तारण नहीं किया जा रहा है। इसी क्रम में समस्याओं से परेशान स्थानीय उपभोक्ताओं ने सरोजनीनगर प्रथम वार्ड की पार्षद गीता देवी प्रतिनिधि संजय गुप्ता के नेतृत्व में दिन मंगलवार को मुख्य अधिशासी अभियंता अविनाश कुमार नादरगंज पावर हाउस को ज्ञापन दिया गया। इस मौके पर उपस्थित समस्याओं से परेशान उपभोक्ताओं ने अपनी अपनी समस्याओं की जानकारी दी। खास तौर पर गहरू पॉवर हाउस की लापवाही की वजह से कई उपभोक्ता परेशान है , उपभोक्ताओं का कहना है कि शिक़ायत करने पर भी समस्याओं का समय पर निश्चरण नहीं किया जाता है ,सिर्फ आश्वासन पर आश्वासन दिया जाता है। इसी क्रम में पार्षद प्रतिनिधि संजय गुप्ता ने बताया कि स्थानीय क्षेत्र के लगभग ८०-१०० लोग पुरुष एवं महिलाएं बिजली संबंधित समस्याओं से परेशान है, जिनका समय पर बिजली विभाग द्वारा निस्तारण नहीं हो रहा है। खास तौर पर सरोजनीनगर वार्ड प्रथम के गौरी बिहार, संत कबीर नगर, हिन्दू खेड़ा, गांधी नगर, राम विहार सहित अन्य क्षेत्र में खंभों की जगह बल्लियां लगी है, जिस वजह से आय दिन लटकते हुए तार खतरे का संकेत दे रहे है, जो कभी भी किसी के ऊपर गिर सकता है, साथ ही कई क्षेत्रों ओवरलोड होने पर हाई लो वोल्टेज की भी समस्या आय दिन बनी रहती है। परेशान उपभोक्ताओं में सोनम गुप्ता, मालती सिंह, आशा कश्यप, पुष्पा गुलाब, मीनू सिंह, अर्चना, सूरज गुप्ता , राहुल शर्मा, दिनेश सिंह, सुमित गुप्ता, राजा भइया, करण, इंद्र सहित कई अन्य लोगों ने स्मार्ट मीटर लगने पर भी सवाल उठाए। जब से स्मार्ट मीटर लगा है, तभी से बिजली का बिल बढ़ गया है। यही नहीं कई लोगों ने बिल जमा करने के बावजूद बिल में संशोधन नहीं होता, बार बार समस्याओं का प्रार्थना देने के बावजूद निस्तारण नहीं हो रहा है, जब की इससे से संबंधित कई बार शिकायतें की गई परंतु निस्तारण अभी तक नहीं हुआ।

कृषि क्षेत्र में संभावनाओं पर मंत्री ने इजरायल के राजदूत से की चर्चा

⇨ कन्नौज एवं बस्ती में इजरायल के तकनीकी सहयोग से स्थापित सेन्टर फॉर एक्सीलेंस में छोटे किसानों की सहभागिता बढ़ाने पर हुई बातचीत

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही द्वारा मंगलवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर इजरायल के राजदूत रीयूवेन अजर, नोआ अम्सलेम वाटर अटैच, एंबेसी ऑफ इजरायल, बरूमा देव प्रोजेक्ट आफीसर मशेवए इजरायल एंबेसी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कृषि क्षेत्र में भारत और इजरायल के साथ तकनीकी रूप से साझेदारी को और अधिक विस्तार देने, कन्नौज एवं बस्ती में इजरायल के तकनीकी सहयोग से स्थापित सेन्टर फॉर एक्सीलेंस से छोटे किसानों को जोड़ने के विषय में चर्चा की।कृषि मंत्री ने इजरायली प्रतिनिधि मंडल को बताया कि उद्यान की फसलों, सब्जियों, खाद्यान्न उत्पादन तथा तिलहन के उत्पादन में उप्र तेजी से आगे बढ़ रहा है और आगे बेहतर तकनीकों का प्रयोग के लिए सभी तैयारियों की जा रही हैं। उन्होंने कन्नौज एवं बस्ती में सेंटर फॉर एक्सीलेन्स बनकर तैयार है, इससे किसानों को जोड़ा जाये, बड़े किसानों को भी क्लस्टर अप्रोच पर फूड प्रोसेसिंग, एक्पोर्ट, पैकेजिंग के लिये बेहर तकनीकी रूप से संबल बनाये जाने पर चर्चा की।उन्होंने बताया कि कन्नौज और बस्ती में सेन्टर फॉर एक्सीलेन्स अच्छे से चल रहा है, यहाँ पर किसानों का भ्रमण कराने एवं एक्सटेंशन एक्टीविटी के बारे में तथा कौशाम्बी और चन्दौली में वन सेंटर फॉर एक्सीलेंस को जल्दी से जल्दी क्रियाशील करने के संबंध में विस्तार से चर्चा हुयी।इस अवसर पर इजरायल के राजदूत द्वारा कृषि मंत्री एवं उनकी टीम को 2025 में आयोजित हो रहे एग्रीटेक एजीवीशन में प्रतिभाग करने के लिये आग्रह भी किया गया।राजकीय प्रक्षेत्रों पर भी टेक्नोलॉजी का प्रयोग करके इजरायल की कम्पनियों के साथ पीपीपी मोड पर भी कार्य करने की सम्भावनाओं पर भी चर्चा की गयी।इस दौरान मुख्यमंत्री के सलाहकार केवी राजू, प्रमुख सचिव कृषि रविन्द्र, सचिव कृषि अनुराग यादव, निदेशक कृषि, डा जितेन्द्र कुमार तोमर, उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम के निदेशक पंकज त्रिपाठी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जलशक्ति मंत्री ने इज़राइल के राजदूत से की शिष्टाचार भेंट

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मंगलवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर इज़राइल के भारत में राजदूत रियूवेन अजर से शिष्टाचार भेंट की इस मुलाकात के दौरान सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रयोग और जल संचयन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

राजधानी में गैंगरेप पीड़िता के परिजनों से मिले कांग्रेस नेता

❑ प्रदेश में जीरो टॉलरेंस का दावा पूरी तरह से तय खोखला: अविनाश पाण्डेय ❑ पुलिस प्रदेश में हो रहे अपराधों को रोक पाने में विफल: अजय राय ❑ कांग्रेस नेताओं ने यूपी में पुलिस व्यवस्था पर उठाए सवाल

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। चिनहट में कल हुए गैंगरेप की पीड़िता एवं उसके परिजनों से मिलने के लिए मंगलवार को कांग्रेस महासचिव व प्रभारी यूपी अविनाश पाण्डेय एवं यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय राजधानी के वीरांगना झलकारीबाई अस्पताल पहुंचे दोनों नेताओं ने परिजनों से मुलाकात की और पार्टी की ओर से उन्हें पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।यूपी कांग्रेस मीडिया ने जारी बयान में बताया कि पुलिस से काफी देर नोक-झोंक के बाद दोनों नेता सीएमएस से मिलने के लिए अस्पताल के अन्दर पहुंचे जहां उन्होंने पीड़िता का कुशलक्षेम पूछा तथा बेहतर से बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।अस्पताल परिसर से निकलने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कांग्रेस महासचिव अविनाश पाण्डेय ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में जीरो टॉलरेंस का दावा पूरी तरह से खोखला है। समूचे प्रदेश में अराजकता का माहौल है। महिलाओं के प्रति अपराध रूकने का नाम नहीं ले रहें हैं इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सरकार से दोषियों को जल्द से जल्द पकड़कर उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की है।पत्रकारों से बातचीत करते हुए अजय राय ने कहा कि एक तरफ पुलिस प्रदेश में हो रहे अपराधों को रोक पाने में पूरी तरह से विफल है, वहीं दूसरी तरफ पीड़ितों पर ही बयान बदलने का दबाव बनाती है।उन्होंने पुलिस व्यवस्था पर उंगली उठाते हुए कहा कि पुलिस का डंडा सिर्फ निर्दोषों पर ही चलता है।जबकि सच्चाई यह है कि अपराधी बेलगाम होकर अपराधों को अंजाम दे रहे हैं और पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी हुई है।इस मौके पर श्री राय के साथ कांग्रेस नेता संजय दीक्षित, मुकेश सिंह चौहान, वेद प्रकाश त्रिपाठी, अमित श्रीवास्तव त्यागी, डॉ शहजाद आलम, ललन कुमार, मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, अनामिका यादव, शहाना सिद्दीकी समेत तमाम कांग्रेसी मौजूद रहे।

महाकुम्भ 2025 में मजबूती के साथ प्रतिभाग करेगा इजराइल

● उत्तर प्रदेश में रक्षा क्षेत्र के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर और सिविल वर्क में भी भागीदारी का दिया प्रस्ताव,मंत्री नन्दी ने महाकुम्भ 2025 में आगमन के लिए किया आमंत्रित

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। भारत में इजराइल के राजदूत रियूवेन अजर ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी से उनके सरकारी आवास 6 कालीदास मार्ग पर मुलाकात की। वहीं असीम सम्भावनाओं के प्रदेश उत्तर प्रदेश में रक्षा क्षेत्र के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर और सिविल वर्क में भी इजराइल की मजबूत भागीदारी पर चर्चा की।अपने सरकारी आवास पर इजराइल के राजदूत का स्वागत करते हुए औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कहा कि भारत और इजरायल के द्विपक्षीय सम्बन्ध सदैव बेहद घनिष्ट एवं मैत्रीपूर्ण रहे हैं। दोनों देशों के मध्य राजनयिक, राजनैतिक, कूटनीतिक एवं व्यापारिक साझेदारी बेहद प्रगाढ़ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक स्वीकार्यता शीर्ष पर है। इजराइल और भारत के बीच आपसी समन्वय व प्रोत्साहन प्रधानमंत्री के प्रयासों से अधिक बेहतर हुआ है। मंत्री नन्दी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भारत का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। प्रदेश की औद्योगिक एवं आर्थिक तरक्की एक मिसाल बनी है। यही कारण है कि वैश्विक निवेशकों का उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए रुझान भी बढ़ा है।विभिन्न सामरिक, तकनीकि एवं वैज्ञानिक निवेश परियोजनाओं के लिए उत्तर प्रदेश में असीम सम्भावनाएं हैं। इजराइल इन सेक्टर्स में काफी उन्नतशील एवं प्रभावशाली है। रक्षा क्षेत्र में मजबूत साझेदारी के साथ उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर में इजराइल की कम्पनी कार्य कर रही है। डिफेंस कॉरिडोर के कानपुर नोड में इजराइल से तकनीकी हस्तांतरण के बाद छोटे हथियार बनाए जा रहे हैं। इजराइल के राजदूत रियूवेन अजर ने उत्तर प्रदेश में रक्षा और कृषि क्षेत्र के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर और सिविल वर्क में भी इजराइल की मजबूत भागीदारी की बात कही।जिसके लिए मंत्री नन्दी ने उनका स्वागत किया। मंत्री नन्दी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में प्रत्येक क्षेत्र में असीम सम्भावनाएं हैं। मंत्री नन्दी ने विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजनों में एक महाकुम्भ 2025 में आगमन के लिए आमंत्रित किया। जिस पर उन्होंने महाकुम्भ में इजराइल की मजबूत उपस्थिति एवं भागीदारी का भरोसा जताया। कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ में कार्य करने के लिए आमंत्रित किया है, जिसके लिए इजराइल तैयार है।

आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन आज

AAP AAM AADMI PARTY

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आम आदमी पार्टी बुधवार को राजधानी लखनऊ के गांधी भवन प्रेक्षागृह कैसरबाग में कार्यकर्ता सम्मेलन करेगी।यह जानकारी देते हुए पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता महेन्द्र सिंह ने बताया कि पार्टी के प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह की मौजूदगी में यूपी के सभी जनपदों से पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे। सम्मेलन में संजय सिंह कार्यकर्ताओं को संबोधित कर आगे की रणनीति तय करेंगे।इसके साथ ही संगठन विस्तार,आगामी जिला पंचायत चुनाव, सदस्यता अभियान सहित कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी।

समाचार

अनवरत उत्कृष्ट शिक्षा के गौरवपूर्ण 25 वर्ष

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। श्री रामस्वरूप मेमोरियल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड मैनेजमेन्ट, लखनऊ द्वारा आज एक प्रेस वार्ता का आयोजन रॉयल कैफे, लखनऊ में किया गया जिसमें संस्थान के अधिशाषी निदेशक व संस्थापक ई0 पंकज अग्रवाल ने प्रेस वार्ता में बताया कि यह शिक्षण संस्थान अपनी स्थापना के गौरवशाली 25 वर्ष पूर्ण कर लिये है अतः संस्थान अपनी 25वीं वर्षगाँठ %अनवरत% का भव्य आयोजन कर रहा है जो दिनांक 16 अक्टूबर 2024 से प्रारम्भ होकर 19 अक्टूबर 2024 तक सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि इसमें कालेज में अध्ययनरत छात्र/छात्राएं भाग लेंगे तथा साथ ही साथ कालेज के बहुत सारे पूर्व छात्र व छात्राएँ जो देश के विभिन्न शहरों एवं विदेशों में उच्च पदों पर आसीन है वे भी सम्मिलत होंगे। संस्थापक महोदय ने आगे बताया कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दिनांक 19 अक्टूबर को बॉलीवुड मशहूर गायिका शिल्पा राव की शानदार प्रस्तुति होगी। संस्थान के निदेशक प्रो0 (डा0) भावेश कुमार चौहान ने अपने संबोधन में बताया कि इस परम पावन अवसर को यादगार एवं चिर स्थायी बनाने के लिए विभिन्न आकर्षक कार्यक्रमों- शास्त्रीय नृत्य शिव तांडव, महिषासुर मर्दिनी प्रस्तुति, कालेज डंप (कमेडी शो), फ्रेशर्स व डांडिया नाइट, महाभारत नाट्य मंचन, नृत्य प्रतियोगिता और फैकल्टी परफार्मेंस, टैलेंट हंट, स्टैंडअप कॉमेडी और बैन्ड परफार्मेन्स, पूर्व छात्रों का सम्मान आदि का भव्य आयोजन किया गया है। उत्सव के प्रसंग और विषय वस्तु को ध्यान में रखकर सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गयी है। संस्थान के प्रधानाचार्य एवं मीडिया संयोजक डा. बॉबी डब्लू लॉयल ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस समारोह में संस्थान के उत्कृष्ट शिक्षा के अनवरत गौरवशाली इतिहास को दर्शाने का पूरा प्रयास किया गया है जो भावी छात्र-छात्राओं के लिए रोचक एवं प्रेरणाप्रद होगा।

शरद पूर्णिमा पर 16 व 17 को बाबा उमाकांत जी महराज द्वारा सत्संग में नामदान

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उज्जैन से चलकर इस समय के पूरे संत दुखहर्ता संत बाबा उमाकांत जी महाराज का आगमन शरद पूर्णिमा के अवसर पर लखनऊ की धरती पर होने जा रहा है अतः आप सपरिवार सत्संग कार्यक्रम में लिए सादर आमंत्रित है। और इस शरीर को चलने वाली शक्ति जीवात्मा का मुक्ति-मोक्ष (नामदान)लेकर जीते जी इसी मानव मंदिर से देवी- देवताओं का दर्शन करने का रास्ता प्रशस्त्र कराएंगे। ज्ञात है यह वही बाबा जी हैं जिनका सत्संग सुनने व दर्शन करने से अपनी बात कह देने से दुःख तकलीफों में आराम मिलने लगता है। सत्संग कार्यक्रम 16 अक्टूबर दोपहर 3 बजे व 17 को प्रातः 6 बजे से लोनी नदी तट निकट सैनिक ढाबा रहमत नगर सुल्तानपुर रोड लखनऊ में होने जा रहा है।

सहेली शक्ति संस्था द्वारा डांडिया का किया गया आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मंगलवार के दिन 15 अक्टूबर 2024 को सहेली शक्ति संस्था द्वारा डांडिया प्रोग्राम होटल अर्जुन इंटरनेशनल नाका हिंडोला में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि शशी गुप्ता (पूर्व सभासद) रही जिन्होंने ने प्रोग्राम में डांडिया क्वीन शिवि गुप्ता ,डांडिया रैंप वॉक रानी गुप्ता एवं डांडिया बेस्ट ड्रेस आरती गुप्ता को चुन कर उनको पुरस्कृत किया प्रोग्राम में सभी महिलायें सज -धज कर शामिल हुई और डीजे की धुन पर झूमीं। संस्था की सभी सदस्य संगीता त्रिवेदी , आरती गुप्ता , रीता सोनी , ऋतु जयसवाल ,रेनु अग्रवाल , प्रियंका सिह , कीर्ति गुप्ता , शालिनी जैन पूनम पांडेय आदि ने डांडिया आयोजन में बढ़ चढ़ कर सहयोग एवं सहभागिता निभाई। डांडिया कार्यक्रम में शामिल होने वाली सहेली शक्ति संस्था ममता त्रिवेदी,अनुराधा,गुंजन,प्रिया मिश्रा,अंकिता,मानिका,रानी,दीपा,श्रद्धा,अंजू ,रुचि,सोनम , सैफ़ली,कल्पना,अनुराधा मिश्रा ,पूनम ,शगुन,कविता, सीमरन आदि ने डांडिया प्रोग्राम में धूम मचाई ।

त्यौहार पर प्रदेश में होगा एक लाख करोड़ का कारोबार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया टेडर्स का मानना है कि इस बार त्यौहार में एक लाख करोड़ का कारोबार होगा। कैट का कहना है कि देश भर में 4.25 लाख करोड़ का कारोबार होने का अनुमान है। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स देश के 70 शहरों का व्यापारिक वितरण केन्द्र माना जाता है। व्यापारी संगठनों के बीच कराए गए हालिया सर्वेक्षण में यह तथ्य सामने आया है। कैट यानि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया टेडर्स के प्रदेश चेयरमैन संजय गुप्ता ने बताया कि लखनऊ में 13 लाख और प्रदेश भर में त्यौहार के समय करीब सात करोड़ लोग खरीदारी करते हैं। देश में यह आंकड़ा करीब 50 करोड़ का है। जहां 500 रुपये या उससे कम खरीदारी करने वाले लोग हैं वहीं हजारों और लाखों रुपये खर्च करने वालों की भी कमी नहीं है। पिछले वर्ष देश में 3.5 लाख करोड़ रुपये का कारोबार त्यौहार के समय हुआ था। उन्होंने बताया कि जिन आइटम को लेकर सर्वे किया गया है उनमें उपहार, मिठाई-नमकीन, ड्राई फ्रूट, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, वस्त्र, आभूषण, कपड़ा, बर्तन, क्राकरी, मोबाइल, फर्नीचर, रसोई के उपकरण, घर सजाने का सजावटी सामान, फुटवियर, सौंदर्य प्रसाधन, कंप्यूटर एवं आई टी उपकरण, स्टेशनरी, बिजली का सामान, फल, फूल, पूजा सामग्री, मिट्टी के दिये एवं कुम्हारों द्वारा बनाये गये अन्य सामान, मूर्ति आदि, हार्डवेयर, पेंट, फैशन की वस्तुएं समेत 35 वर्ग के उत्पाद शामिल हैं। प्रदेश में इनकी होती है सबसे ज्यादा बिक्री खाद्य एवं किराना 13 फीसदी ज्वैलरी 9 फीसदी वस्त्र एवं गारमेंट 12 फीसदी ड्राईफ्रूट 4 फीसदी नमकीन 3 फीसदी सजावटी सामान 6 फीसदी इलेक्ट्रॉनिक्स 8 फीसदी ऑटोमोबाइल 20 फीसदी

संघर्ष से शिखर तक: पेरिस पैरालंपिक में भारतीय मुस्लिम खिलाड़ियों की कहानी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - जमाल मिर्जा

लखनऊ। भारत जैसे बहुल-धार्मिक राष्ट्र में अल्पसंख्यक वर्ग की भूमिका राष्ट्र निर्माण में अहम होती है और अल्पसंख्यक वर्ग के रूप में मुस्लिम युवा देश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है। अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं को मुख्यधारा में लाकर उनके शिक्षा, रोजगार, और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा देना न केवल उनके सशक्तिकरण के लिए आवश्यक है, बल्कि इससे राष्ट्र की समग्र विकास प्रक्रिया भी तेज होती है। यदि यदि इन युवाओं को सही संसाधन और अवसर दिए जाएं, तो वे देश के विकास को तेजी से आगे बढ़ा सकते हैं। उनका सशक्तिकरण न केवल उनके समुदाय बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य को उज्जवल बना सकता है। उच्च शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण उनके आर्थिक और सामाजिक उत्थान में अहम भूमिका निभाते हैं। तमाम देशविरोधी ताक़तों के द्वारा मुस्लिम युवाओं को भड़काने और उन्हें असामाजिक और गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त करने का प्रलोभन दिया जाता है और एक वल्नरेबल समूह होने के नाते ये युवा आसानी से इन ताक़तों के झाँसे में आकर स्वयं का स्वयं के परिवार का और समाज का नुक़सान कर बैठते है। यदि इन युवकों के सम्मुख इन्ही के समाज से आने वाले अभिप्रेरक और राष्ट्र के विकास में अतुलनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को आदर्श के रूप में स्थापित जाय तो निश्चित रूप से मुस्लिम युवाओं को एक सकारात्मक दिशा मिलेगी जो इनको स्व के विकास से लेकर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से अभिन्न रूप से जोड़ेगी। खेलों को अपना कैरियर बनाकर आजकल के युवा अथक परिश्रम करते हुए विभिन्न राष्ट्रीय- अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपना और अपने मुल्क का नाम रौशन कर रहे हैं। तमाम प्रतिस्पर्धाओं में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए हर खिलाड़ी का अंतिम सपना होता है कि वो ओलंपिक खेलों में देश के लिए मेडल लाए। ओलंपिक खेल एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता है जिसमें विभिन्न देशों के खिलाड़ी अनेक प्रकार के खेलों में भाग लेते हैं। ओलंपिक खेलों की भाँति ही पैरालंपिक खेलों का भी पूरे विश्व में अलग स्थान है और इस वैश्विक खेल प्रतिस्पर्धा में 卐अलग रूप से सक्षम卐 (विकलांग) व्यक्ति अलग अलग स्तर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपने प्रतिभा और क्षमता का परिचय देते है। पैरालंपिक खेल एक अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता है, जिसमें शारीरिक, मानसिक या दृष्टि विकलांगता वाले एथलीट भाग लेते हैं। ये खेल ओलंपिक खेलों की तरह ही हर चार साल में होते हैं, और ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन संस्करणों में आयोजित किए जाते हैं। पैरालंपिक खेलों का उद्देश्य विकलांग या %अलग रूप से सक्षम व्यक्तियों को खेल में अपनी क्षमता दिखाने का अवसर प्रदान करना और समावेशिता व समानता को बढ़ावा देना है। पैरालंपिक खिलाड़ियों को कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो उनके खेल जीवन और व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करती हैं। ये चुनौतियां शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक हो सकती हैं। कई देशों और समाजों में शारीरिक या मानसिक विकलांगता को लेकर अभी भी नकारात्मक धारणाएं हैं। इस वजह से पैरालंपिक खिलाड़ियों को समाज में स्वीकृति प्राप्त करने में मुश्किल हो सकती है। शारीरिक विकलांगता के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों का सामना करना भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। प्रतियोगिता का दबाव, हार-जीत के तनाव और सामाजिक धारणाएं खिलाड़ियों के आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाल सकती हैं। विकलांगता के बावजूद उच्च स्तर पर प्रदर्शन करना अपने आप में एक बड़ी शारीरिक चुनौती है। खिलाड़ियों को अपनी विकलांगता के साथ तालमेल बैठाकर कठिन प्रशिक्षण और मुकाबले करने पड़ते हैं। पेरिस 2024 खेलों में प्रतिभाग करने वाले चार भारतीय मुस्लिम पैरालिंपियनों के लिए भी चुनौतियां सिर्फ शारीरिक से कहीं अधिक और कई स्तरों की थीं। अमीर अहमद भट, सकीना खातून, अरशद शेख और मोहम्मद यासर ने न केवल अपनी विकलांगताओं पर काबू पाया है, बल्कि अपनी पृष्ठभूमि के कारण उनसे की गई सामाजिक अपेक्षाओं पर भी खरे उतरे है। ये एथलीट विशेष रूप से मुस्लिम युवाओं के लिए रोल मॉडल के रूप में खड़े हैं, जो दिखाते हैं कि कैसे कोई अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए विपरीत परिस्थितियों से ऊपर उठ सकता है। कश्मीर की सुरम्य घाटियों से आने वाले अमीर अहमद भट कई लोगों के लिए उम्मीद की किरण बन गए हैं। मिश्रित 25 मीटर पिस्टल में प्रतिस्पर्धा करने वाले एक पिस्टल शूटर, पैरालिंपिक तक आमिर की यात्रा दृढ़ता की है। शारीरिक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, उनकी सटीकता और दृढ़ संकल्प ने उन्हें दुनिया के शीर्ष पैरा निशानेबाजों में शामिल कर दिया उन्होंने संघर्ष-ग्रस्त क्षेत्र में रहने की प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना किया, फिर भी उन्होंने अनुशासन और उत्कृष्टता का मार्ग चुना। ऐसा करके, उन्होंने देश भर के मुस्लिम युवाओं को दिखाया है कि उनके सपने साकार हो सकते हैं, चाहे उनकी परिस्थितियाँ कैसी भी हों। उनका समर्पण दुनिया को संदेश देता है कि प्रतिभा और कड़ी मेहनत किसी भी सीमा को पार कर सकती है। महिलाओं की 45 किग्रा तक की पावरलिफ्टिंग श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करने वाली सकीना खातून ने पहले ही भारतीय खेल इतिहास में अपनी जगह पक्की कर ली है। कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला पैरा पावरलिफ्टर के रूप में सकीना की कहानी लचीलेपन की कहानी है। सीमित साधनों वाले परिवार में जन्मी, उन्हें कम उम्र में पोलियो हो गया, जिससे वे आजीवन विकलांग हो गईं। इसके बावजूद, उन्होंने अपनी परिस्थितियों से विवश होने से इनकार कर दिया। एक पावरलिफ्टर के रूप में उनकी सफलता ने न केवल विकलांग महिलाओं की उपलब्धियों के बारे में बल्कि खेलों में मुस्लिम महिलाओं की उपलब्धियों के बारे में भी रूढ़ियों को चुनौती दी है। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करके, वह मुस्लिम युवाओं, विशेष रूप से युवा लड़कियों को निडर होकर अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती हैं, यह जानते हुए कि वे भी उम्मीदों का भार उठा सकते हैं। अरशद शेख एक और नाम है जो भारत के पैरालंपिक दल में चमकता है। पुरुषों की सी2 श्रेणी में पैरा साइकलिंग में प्रतिस्पर्धा करते हुए, अरशद का पेरिस 2024 पैरालिंपिक में शामिल होना एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि यह पहली बार है जब भारत खेलों में पैरा साइकलिंग में प्रतिस्पर्धा कर रहा है। अरशद की कहानी सिर्फ एथलेटिक कौशल की नहीं बल्कि साहस और दृढ़ संकल्प की भी है। एक साधारण पृष्ठभूमि से पैरालिंपिक के वैश्विक मंच तक का उनका सफर उनकी अथक भावना का प्रमाण है। मुस्लिम युवाओं के लिए, विशेष रूप से जो समान चुनौतियों का सामना कर सकते हैं, पुरुषों की शॉट पुट में प्रतिस्पर्धा करने वाले यासर इस बात का एक और शानदार उदाहरण हैं कि कैसे दृढ़ संकल्प विपरीत परिस्थितियों पर विजय प्राप्त कर सकता है। शारीरिक विकलांगता के साथ जन्मे यासर ने इसे अपने भविष्य को परिभाषित नहीं करने दिया। उन्होंने एथलेटिक्स को अपनाया और शॉट पुट में विशेषज्ञता हासिल की, और जल्दी ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए रैंक में ऊपर उठे। यासर की उपलब्धियाँ न केवल व्यक्तिगत जीत हैं, बल्कि उनके समुदाय की भी जीत हैं। वह एक जीवंत उदाहरण हैं कि न तो शारीरिक विकलांगता और न ही सामाजिक अपेक्षाएँ किसी को अपनी क्षमता तक पहुँचने से रोक सकती हैं। पैरालिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करके यासर युवा मुसलमानों को दिखाते हैं कि वे भी बाधाओं को पार कर सकते हैं, सामाजिक दबावों को दूर कर सकते हैं और विश्व मंच पर अपनी पहचान बना सकते हैं। ऐसी दुनिया में जहाँ हाशिए के समुदायों के युवा अक्सर सामाजिक दबावों के चलते नकारात्मक भावनाओं से प्रभावित होते हैं, ये चार एथलीट आशा की किरण बनकर खड़े हैं। वे न केवल अपनी एथलेटिक उपलब्धियों के कारण बल्कि अपने द्वारा दर्शाए गए मूल्यों के कारण भी रोल मॉडल हैं- दृढ़ता, समर्पण और देशभक्ति। इन युवाओं ने निराशा या नकारात्मक प्रभावों के आगे झुकने के बजाय उत्कृष्टता, लगन, समर्पण, प्रतिबद्धता और सकारात्मक जुनून के माध्यम से लक्ष्य प्राप्ति का मार्ग चुना है। विकलांगता के साथ जीना अक्सर सामाजिक कलंक का बोझ लेकर आता है, लेकिन इन एथलीटों ने दिखाया है कि ऐसी कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद भी सफलता संभव है। उनकी उपलब्धियों ने अल्पसंख्यक, लैंगिक और विकलांग व्यक्तियों से जुड़ी रूढ़ियों और गलत धारणाओं को पुनर्परिभाषित किया है, उन्होंने साबित कर दिया है कि सफलता धर्म, क्षेत्र, लिंग या विकलांगता से बंधी नहीं होती बल्कि कड़ी मेहनत, लचीलापन और महानता हासिल करने की इच्छा से परिभाषित होती है। ऐसे समय में जब गुमराह होना आसान है, इन चार एथलीटों ने सम्मान और अनुशासन का मार्ग चुना है। इनके प्रदर्शन ने भले ही पेरिस पैरालंपिक खेलों में मेडल का मूर्त रूप ना लिया हो लेकिन इनके प्रयास और उच्च स्तर तक भारत का प्रतिनिधित्व करने के उदाहरण ने उन्हें मुस्लिम युवाओं और खाकर संघर्षरत क्षेत्रों के अल्पसंख्यक नृजातीय और धार्मिक युवाओं के लिए अप्रतिम अभिप्रेरणा का कार्य किया है। प्रो बंदिनी कुमारी लेखिका समाज शास्त्र की प्रोफेसर हैं और उत्तर प्रदेश के डिग्री कॉलेज में कार्यकर्ता हैं।

संपादकीय

दागदार खेवनहार

राजनीति में धनाढ्य लोगों, बाहुबलियों तथा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों का सक्रिय होना, अब भारतीय जनतांत्रिक व्यवस्था का चरित्र बन चुका है। कहीं ज्यादा तो कहीं कम, उनकी उपस्थिति हर राज्य व केंद्र की राजनीति में नजर आती है। हाल ही में संपन्न हरियाणा विधानसभा के चुनावों के बाद आई एक रिपोर्ट ने इस मुद्दे को फिर विमर्श में ला दिया है। इस रिपोर्ट के अनुसार राज्य में चुने गए 96 फीसदी विधायक करोड़पति हैं। वैसे यह कहना कठिन है कि जनप्रतिनिधि नामांकन भरते समय कितनी ईमानदारी से अपनी सफेद कमाई को दर्शाते हैं। जबकि अश्वेत कमाई का तो कोई जिक्र ही नहीं होता। आर्थिक आंकड़ों से खेलने वाली एक पूरी बिरादरी स्याह को श्वेत बनाने के खेल में पारंगत होती है। फिर करोड़पति की कोई सीमा नहीं कि उसकी संपत्ति कितने करोड़ों में है। रिपोर्ट में दूसरी चौंकाने वाली बात यह है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीतने वाले माननीयों में 13 फीसदी का आपराधिक अतीत रहा है। इनमें से कई पर गंभीर अपराधों के लिये मुकदमें चल रहे हैं। यह मतदाताओं के लिये भी आत्ममंथन का समय है कि प्रत्याशी की हकीकत को जानते हुए भी उसे जिताने लायक वोट कैसे मिल जाते हैं। यूं तो जुबानी तौर पर हर बड़ा राजनीतिक दल लोकतंत्र में राजनीतिक शुचिता की वकालत करता नजर आता है, बड़ी-बातें दोहराता है। लेकिन हकीकत में स्थिति वही 'ढाक के तीन पात।' चुनाव आते ही ऐसी नकारात्मकता प्रत्याशी की जीत की गारंटी बन जाती है। जनता भी अब सुन-सुनकर थक चुकी है। उसे भी लगने लगा कि शायद यही विसंगति हमारी नियति बन गई है। वैसे राजनेताओं के साथ ही मतदाता भी इस राजनीतिक विद्रूपता के लिये कम जिम्मेदार नहीं है, जो छोटे-छोटे प्रलोभनों के लिये मतदान करते वक्त अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं करता। दरअसल, आजादी के सात दशक बाद भी मतदाता को इतना विवेकशील बनाने की पहल राजनेताओं ने नहीं की कि वह अपने विवेक से राष्ट्रीय हितों को देखते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। बहरहाल, करोड़पतियों के जनप्रतिनिधि संस्थाओं में वर्चस्व का एक निष्कर्ष साफ है कि आम आदमी के लिये चुनाव लड़ना अब दूर की कौड़ी बन गई है। यह कथन अब किताबों तक सीमित रह गया है कि जनतंत्र जनता द्वारा , जनता का और जनता के लिये होता है। कहा जाता है कि आजादी के बाद पहली बार हुए विधानसभा चुनाव में राजस्थान का एक विधायक ऐसा भी था, जिसके पास जयपुर जाकर शपथग्रहण समारोह में शामिल होने के लिये टिकट के पैसे तक नहीं थे। तब लोगों ने उनकी मदद की। बहरहाल, हमें स्वीकार करना होगा कि भले ही राजनीति में अब धनबल व बाहुबल अपरिहार्य हो, लेकिन इस स्थिति के लिये जनमानस भी कम जिम्मेदार नहीं है। हम सोचें कि क्षेत्रवाद,संप्रदायवाद, जातिवाद और छोटे-छोटे प्रलोभनों के लिये हम ऐसे प्रत्याशियों को जनप्रतिनिधि संस्थाओं में क्यों भेज देते हैं, जो वहां जाने लायक ही नहीं होते। हमें यह भी सोचना होगा कि मुफ्त की रेवड़ियों के अलावा चंद रुपयों व सुरा के लिये सुर बदलने वाले लोग कौन हैं? कहीं न कहीं यह हमारे सामाजिक मूल्यों के पराभव का प्रमाण भी है।

धार्मिक उन्माद की बलि चढ़ते युवा

उत्तर प्रदेश के बहराइच के महराजगंज कस्बे (महसी तहसील) में दुर्गा विसर्जन पर गाने-बजाने को लेकर दो समुदायों में हुई भिड़ंत से उपद्रव हो गया। एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई, तो वहीं एक गम्भीर रूप से घायल है। इसके कारण पूरे जिले में बवाल मचा हुआ है। जुलूस में शामिल लोगों का आरोप है कि एक घर से उन पर पथराव किया गया इसलिये मामला बिगड़ा। यह भी आरोप है कि एक समुदाय के लोग रामगोपाल मिश्रा (24 वर्ष) नामक युवक को घर के भीतर घसीट ले गये जहां उसको गोली मार दी गई। उसकी वहीं मौत हो गई। उसे बचाने गये 28 साल के राजन को भी गोली मारी गई। वह गम्भीर रूप से जख्मी है। दूसरी तरफ ऐसे वीडियो भी वायरल हुए हैं जिसमें दिख रहा है कि वह युवक (रामगोपाल) एक घर की छत पर चढ़कर इस्लामी झंडा खींचकर गिरा रहा है और उसके साथ ही भगवा झंडा फहरा रहा है। दूसरे पक्ष का कहना है कि मामला इसी कारण से हिंसक टकराव में बदल गया। कई जगहों पर आगजनी हुई है तथा प्रदर्शन किये गये। पुलिस ने कई जगहों पर लाठियां भी चलाईं। बहराइच की यह घटना पिछले कुछ वर्षों से युवाओं को भड़काने तथा उन्हें उन्मादी बनाने के व्यापक षड्यंत्र का परिणाम ही प्रतीत होता है। देखा गया है कि धार्मिक जुलूसों के दौरान कुछ न कुछ ऐसा बवाल होता है या पैदा कर दिया जाता है जिससे मुठभेड़ की नौबत आ जाती है। खासकर, मस्जिदों के सामने से गुजरते हुए या समुदाय विशेष के मोहल्लों से निकलते हुए भड़काऊ नारे लगाये जाते हैं या काम किये जाते हैं ताकि दूसरे वर्ग में नाराजगी फैले। पुलिस की कार्रवाई भी कई बार एकतरफा होती है। जिन घरों या इलाकों से पथराव करने के आरोप लगाये जाते हैं, उन क्षेत्रों में गिरफ्तारियों का दौर शुरू हो जाता है। बहुत से ऐसे वीडियो सामने आये हैं जिनमें पता चलता है कि पुलिस स्टेशनों में उनकी पिटाई भी की जाती है। यह नागरिक अधिकारों का हनन एवं कानूनों का सरासर उल्लंघन है। ऐसी घटनाएं किन लोगों की शह पर होती हैं, यह इसी बात से समझा जा सकता है कि बहराइच में उन्मादी भीड़ पुलिस प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग और दूसरी तरफ उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जय-जयकार कर रही थी। निश्चित रूप से यह खतरनाक स्थिति है। अब तक तो यह भी देखा जाता रहा है कि ऐसे मामले होने पर, वह भी विशेषकर उत्तर प्रदेश में शिकायत दर्ज होते ही, बुलडोजरों से आरोपियों के घरों को ध्वस्त कर दिया जाता रहा है।

मानवता-बिजनेस के संगम थे रतन टाटा

> कोरस दुनिया की 9वीं सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी थी, जबकि टाटा स्टील 56वें स्थान पर थी। अधिग्रहण के बाद टाटा स्टील दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी बन गई। सामान्यतया जब भी कोई विदेशी किसी कंपनी का अधिग्रहण करता है तो वहां के लोगों और कर्मचारियों में उसके प्रति विरोध होता है, लेकिन इस अधिग्रहण में सबसे गौरवान्वित करने वाली बात यह थी कि कर्मचारियों ने इस बाबत खुशी जताई, क्योंकि टाटा को हमेशा कर्मचारी हित को सर्वोपरि रखने वाली कंपनी के रूप में जाना जाता है। इसी प्रकार दुनिया की सबसे बड़ी कार कंपनी फोर्ड का भी अधिग्रहण रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने किया, जिसके चलते टाटा मोटर्स ने भारत में ही नहीं, दुनिया में एक बड़ा स्थान बना लिया।

भारत और दुनिया के सबसे महान उद्योग नेताओं में से एक पद्म विभूषण श्री रतन नवल टाटा का दुःखद निधन, केवल उद्योग जगत के लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के लिए बड़ी क्षति है। आजादी से पहले टाटा समूह के संस्थापक श्री जमशेद जी टाटा ने देश में सबसे बड़े स्टील उद्योग की नींव रखी, जिसे आज हम टाटा स्टील के नाम से जानते हैं। जमशेद जी ने भारत के आम लोगों से एक-एक रुपया इकट्ठा करके इस बड़ी स्टील कंपनी का निर्माण करके यह दिखा दिया कि देशभक्त भारतीयों द्वारा ही राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। श्री रतन टाटा का जीवन न केवल हमारे देश के, बल्कि पूरे विश्व के उभरते उद्यमियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। लाभ कभी भी टाटा समूह का एकमात्र उद्देश्य नहीं रहा है और श्री रतन टाटा के दूरदर्शी नेतृत्व में श्रमिकों, गरीबों और दलितों की देखभाल हमेशा उनका मार्गदर्शक सिद्धांत रहा है। अपने दृढ़ निश्चय के साथ वे स्टील, ऑटोमोबाइल और विमानन सहित टाटा समूह के व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर ले गए। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने हमेशा भारत को गौरवान्वित किया। टाटा समूह को अन्य व्यावसायिक घरानों से जो बात अलग बनाती है, वह यह है कि श्री रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह हमेशा से ही मजदूरों, लोगों और खासकर गरीबों के पक्ष में रहा है। उन्होंने एक बार कहा था कि जब उन्होंने भारी बारिश में बस का इंतजार कर रहे एक गरीब परिवार को देखा, तो उनके दिमाग में एक ऐसी छोटी कार बनाने का विचार आया जो आम आदमी के लिए सस्ती हो और उन्होंने दुनिया की सबसे सस्ती और किफायती कार बनाने का कार्य पूरा किया। जहां उनकी व्यावसायिक सोच में आम आदमी और श्रमिक के प्रति संवेदनशीलता दिखाई देती है, उनके व्यवहार में सदैव देश के प्रति अथाह प्रेम भी झलकता है। उनके बारे में एक किस्सा प्रसिद्ध है कि जब पाकिस्तान द्वारा भेजे गए आतंकवादियों द्वारा मुम्बई के ताज होटल पर आक्रमण किया गया, तो अगले कुछ दिनों में पाकिस्तान के उद्योगपति उनसे मिलने के लिए भारत आए, लेकिन श्री रतन टाटा ने उनसे मिलने के लिए मना कर दिया। ऐसी स्थिति में जब भारत सरकार के एक तत्कालीन मंत्री ने उनसे उस मुलाकात को करने के लिए आग्रह किया, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से यह कह दिया कि आप लज्जाहीन हो सकते हैं, लेकिन मैं नहीं। जब-जब देश पर आपत्ति आई, श्री रटन टाटा ने दिल खोलकर योगदान दिया। हाल ही में कोरोना काल के दौरान रतन टाटा ने न केवल 500 करोड़ रुपए का योगदान दिया, बल्कि इसके अलावा टाटा समूह ने कुल 1500 करोड़ रुपए का कुल योगदान कोविड संकट के दौरान दिया। यह राशि देश के किसी भी व्यावसायिक समूह से अधिक थी। लोगों को साथ लेकर चलने के सिद्धांत के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उनके एक वाक्य से स्पष्ट होती है, जिसमें उन्होंने कहा कि 'अगर आप तेज चलना चाहते हैं, तो अकेले चलें। लेकिन अगर आप दूर चलना चाहते हैं, तो साथ-साथ चलें।' हालांकि वे देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने के मुखिया थे, लेकिन जो भी उनसे मिलता था, उन्होंने कभी भी यह अहसास नहीं होने दिया। कुल मिलाकर वे विनम्रता की एक मिसाल के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने जब टाटा समूह का नेतृत्व संभाला तो उस समय अन्य औद्योगिक समूह विभिन्न क्षेत्रों में विस्तार कर रहे थे। रतन टाटा ने अपनी एक अलग राह चुनी और अपने पूर्व स्थापित उद्योगों को गति देने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कंपनियों का अधिग्रहण किया। अधिग्रहण के समय, वार्षिक इस्पात उत्पादन के मामले में कोरस, टाटा स्टील से चार गुना बड़ी थी। कोरस दुनिया की 9वीं सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी थी, जबकि टाटा स्टील 56वें स्थान पर थी। अधिग्रहण के बाद टाटा स्टील दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी बन गई। सामान्यतया जब भी कोई विदेशी किसी कंपनी का अधिग्रहण करता है तो वहां के लोगों और कर्मचारियों में उसके प्रति विरोध होता है, लेकिन इस अधिग्रहण में सबसे गौरवान्वित करने वाली बात यह थी कि कर्मचारियों ने इस बाबत खुशी जताई, क्योंकि टाटा को हमेशा कर्मचारी हित को सर्वोपरि रखने वाली कंपनी के रूप में जाना जाता है। इसी प्रकार दुनिया की सबसे बड़ी कार कंपनी फोर्ड का भी अधिग्रहण रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने किया, जिसके चलते टाटा मोटर्स ने भारत में ही नहीं, दुनिया में एक बड़ा स्थान बना लिया। वे हमेशा नीति निर्माताओं के लिए मार्गदर्शक रहे हैं। उनका व्यक्तित्व ऐसा था कि वे नीति निर्माताओं सहित अन्य लोगों को उनकी गलती के लिए टोक देते थे। रतन टाटा ने टाटा समूह के प्रति अपने दूरदर्शी नेतृत्व से हमेशा ही मजदूरों, उपभोक्ताओं और आम आदमी का स्नेह, प्रशंसा और वफादारी जीती है। सभी बड़े औद्योगिक घरानों में से यह टाटा समूह ही था, जिसने कोविड-19 महामारी के दौरान न केवल अपने कर्मचारियों को पूरा वेतन दिया, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि कोविड-19 के दौरान जान गंवाने वालों के परिवारों को उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि तक पूरा वेतन मिलता रहे। रतन टाटा निश्चित रूप से मानवता, राष्ट्रवाद और व्यापार के बेजोड़ संगम थे। उनका सरोकार समाज का कल्याण था।

वन संरक्षण के देसी उपाय

सुरेश भाई

दुनिया में जब से खेती का काम शुरू हुआ होगा तभी से वनों का महत्व इंसान की समझ में आया होगा। खेती का काम मिट्टी, पानी, गोबर के बिना नहीं चल सकता। गोबर पशुपालन से ही संभव है। पशुपालन तभी तक जिंदा है जब तक जंगल और उसके बीच में चारागाह हैं। पशुओं का गोबर भी अकेला नहीं है। उसमें भी पेड़-पौधों की पत्तियां जब पशुओं के नीचे बिछाई जाती हैं तभी खाद बनतीहै। इसी तरह पानी भी ग्लेशियर और पेड़ों के बीच से ही आता है जो गांव के किनारे नदियों और अन्य जलधाराओं के रूप में धीरे-धीरे बहकर आगे जा रहा है। इसलिए खेती-बाड़ी, पानी, हवा, मिट्टी हमारा जीवन है और इसके कारखाने हमारे चारों ओर के जंगल हैं। आदिकाल से ही लोगों ने वन बचाने के लिए वन पंचायतें बनाई हैं। गांव में खेती एवं वन सुरक्षा के लिए चौकीदारी व्यवस्था को महत्व दिया गया था। जंगल पर निर्भर लोगों ने वनों से घास और लकड़ी लेने के नियम भी बनाये थे। इसके संकेत आज भी पहाड़ी और आदिवासी गांवों में दिखाई देते हैंकई जगहें, खासकर पहाड़ों में जंगल के रास्ते पर लकड़ी के तराजू बने हुए हैं। जब लोग जंगल से घास, लकड़ी लेकर आते हैं तो वन-पंचायत द्वारा नियुक्त चौकीदार हरेक के बोझ को तौलता है। इसका वजन 70-80 किलोग्राम से अधिक होता है तो वन-चौकीदार बोझ से घास या लकड़ी निकालकर अलग करेगा और जिसके बोझ में कम वजन है उसमें मिला देगा। सभी लोग चौकीदार को हर फसल पर अनाज के रूप में मदद करते हैं। जून से सितंबर के बीच चारागाहों में पशुओं को नहीं भेजा जाता। इन महीनों में नई-नई घास और पौधे जंगल में उगते हैं जिनकी सुरक्षा के लिए लोग पशुओं को घर पर रखकर चारे की व्यवस्था करते थे। ये बातें आजकल स्कूलों में नहीं पढ़ाई जातीं। फलस्वरूप जीवन शैली उस तरह की नहीं है जिससे पर्यावरण स्वस्थ रहे। जीवन को सुखमय बनाने वाली मिट्टी, पानी, जंगल, हवा प्रदूषणमुक्त हो। इस बारे में जितना पढ़ रहे हैं उतना ही हमारा प्रकृति के प्रति विपरीत आचरण सामने आ रहा हैं। ताजुब होगा कि जब न कोई विज्ञान का सिद्धांत था और न कोई पुस्तक और न ही इस तरह की चकाचौंध थी, जैसे कि आज हमारे चारों ओर है, लेकिन मनुष्य ने आदिकाल से ही अपनी खेती-बाड़ी के महत्व के लिए जंगलों का प्रबंधन करना शुरू कर दिया था। वर्ष 1815 से पहले जब अंग्रेज यहां आए थे तो लोग अपनी आजीविका के लिए वनों का प्रबंधन करते थे। उदाहरण है कि 1850 तक अंग्रेज फ्रेडरिक विल्सन ने गंगा घाटी के उद्गम में स्थित हर्षिल में रहकर तत्कालीन टिहरी नरेश सुदर्शन शाह से सिर्फ 400 रुपये में शंकु धारी वनों का पट्टा ले लिया था। उसने वहां के वनों का अंधाधुंध दोहन किया। गंगा घाटी से तमाम प्रकार की प्रजाति के पेड़ों को काटकर नदी के बहाव के साथ हरिद्वार और वहां से रेलवे लाइन बिछाने के लिए कोलकाता तक पहुंचाया गया। विल्सन ने इसकी आड़ में जंगली जानवरों का शिकार भी किया। इसी दौरान वर्ष 1823 में गांव की सीमाओं का भी निर्धारण किया गया था जिससे लोगों के अधिकारों को वनभूमि पर सीमित करने का प्रयास आरंभ हुआ था। अंग्रेजों ने इसके लिए वर्ष 1865 में पहला वन-अधिनियम बनाया था। इसके बाद सन् 1877 में वनों की सीमाओं को भी निर्धारित करने का काम हुआ। जिसमें मुनारा बनाकर वन-सीमायें तय की गई थीं। इस प्रक्रिया में खेती की जमीन को छोड़कर संपूर्ण भूमि सुरक्षित वनभूमि के रूप में बदली गई। अंग्रेजों के इसी कानून के कारण वनभूमि पर लोगों को अतिक्रमणकारी मानने का सिद्धांत लागू हुआ, लेकिन अंग्रेजों की इस व्यवस्था के विरोध में लोग सड़कों पर उतर आए। लोगों ने विरोध में वनों को आग के हवाले किया। यह घटना 1915-21 के बीच हुई थी। इसके बाद अंग्रेज शासन ने एक शिकायत समिति का गठन कर आरक्षित वनों को श्रेणी एक्श् और दर्जा दो में वर्गीकृत किया। इसमें लोगों के अधिकारों को लौटाने की व्यवस्था की गई। इसके बाद भी 1925 में शिकायत समिति की संस्तुतियों के आधार पर मद्रास प्रेसीडेंसी के कम्युनिटी फॉरेस्ट की तर्ज पर उत्तराखंड में भी पंचायती वन व्यवस्था को आरंभ किया गया। वर्ष 1931 में वन-पंचायत नियमावली बनाई गई जिसका गठन 1932 में प्रारंभ हुआ। उस समय उत्तराखंड में राजस्व ग्रामों की संख्या 13,739 थी। इसके अंतर्गत दर्जा एक और श्रेणी दोश् के अनुसार आरक्षित वनों के साथ सिविल वनों की भी वन-पंचायत बनाना आरंभ किया गया। सन् 1976 में भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 28 के अंतर्गत वन पंचायत नियमावली में संशोधन करके राजस्व विभाग को अधिकार दिए गए। इस संशोधन का बहुत विरोध हुआ। इसके बाद तत्कालीन उत्तरप्रदेश सरकार ने वर्ष 1982 में 19 सदस्यों वाली सुल्तान सिंह भंडारी कमेटी बनाई, लेकिन उनके जितने भी संशोधन थे वे स्वीकार नहीं हो सके। वर्ष 1997 में जब दुनिया में निजीकरण, उदारीकरण, वैश्वीकरण का दौर चरम सीमा पर था तब विश्वबैंक की सहायता से संयुक्त वन प्रबंधन योजना लागू की गई। इसको चलाने के लिए वन-पंचायत नियमावली में संशोधन किये गये।

जिसके बाद वन-पंचायतों की स्वायत्तता को समाप्त करके वन विभाग के अधीन कर दिया गया और वन-पंचायत सरकार की देखरेख में चलने लगी। इससे हक-हुकूक भी प्रभावित हुए। अनुसूचित जाति के शिल्पकार और अन्य परंपरागत वन-निवासीश् जो रिंगाल और अन्य वन-उत्पाद से आजीविका चला रहे थे, बेरोजगार हुए। उन्हें आजीविका का संकट झेलना पड़ा। अब उत्तराखंड में ही 12 हजार से अधिक वन-पंचायतें हैं जो सरकारी नियम कानून के आधार पर चलती हैं, लेकिन वे अपने जंगल की आग भी नहीं बुझा पाती। इसका कारण है कि वन और खेती सुरक्षा के जो पुश्तैनी नियम-कानून थे वे हाशिए पर चले गए। इसके चलते बंदर और सुअर जैसे जंगली जानवरों से फसल को बचाना और जंगल पालने की पारंपरिक व्यवस्था भी नहीं बच पाई।

मेष:- नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय की अपेक्षित है। सन्तति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।

बृषभ:- शासन-सत्ता कें लोगों के साथ निकटता बढे.गी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुन:- कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान-प्रतिष्ठा में बृद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के प्रति आपकी महत्ता बढे.गी।

कर्क:- कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।

सिंह:- कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित व्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या:- नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी-पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के ब्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।

तुला:- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिक:- कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में ब्यस्तता बढे.गी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस-पास वातावरण में प्रसन्नता बिखेरेंगे।

धनु:- सम्बन्धों में ब्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।

मकर:- बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।

कुंभ:- अन्तमरुखी स्वभाव को त्याग बहिरमुखी बनें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति के आसार हैं। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन चिन्तित होगा। कार्य क्षेत्र में ब्यस्तता बढे.गी।

मीन:- पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे।समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन परेशान होगा।

भागवत की शताब्दी कथा- खतरा, खतरा, खतरा!

राजेंद्र शर्मा

इस दशहरे से आरएसएस का शताब्दी वर्ष शुरू हो गया। इस मौके पर, आरएसएस के वर्तमान सरसंघचालक, मोहन भागवत के संबोधन से बहुत से लोगों ने अगर, शताब्दी पार के आने वाले वर्षों में आरएसएस की दशा-दिशा के बारे कुछ नया सुनने की उम्मीद लगा रखी थी, तो उन्हें जरूर निराशा हुई होगी। वैसे आरएसएस के भागवत काल में, जो काफी हद तक देश में मोदी के शासन का काल भी है, आरएसएस ने अपनी पहले की सार्वजनिक रौशनी तथा विशेष रूप से मीडिया से दूरी बनाए रखने की नीति को जिस तरह से बदला है और मीडिया में अपना पक्ष रखने को अपना एक महत्वपूर्ण काम बनाया है, उसके बाद से सरसंघचालक के आरएसएस के स्थापना दिवस यानी दशहरा के परंपरागत संबोधन का, उसकी दिशा के संकेतक का विशेष महत्व जाता रहा है। फिर भी यह किसी ने नहीं सोचा होगा कि शताब्दी संबोधन में संघ प्रमुख, मोदी राज के क्षमाप्रार्थी बनकर, सिर्फ और सिर्फ उसका बचाव करने की मुद्रा में नजर आएंगे। बेशक, भागवत के दशहरा भाषण का एक अर्थ यह भी है कि कम से कम इसके बाद, पिछले आम चुनाव में मोदीशाही के फीके प्रदर्शन, भाजपा के 240 के आंकड़े पर अटक जाने तथा बहुमत के लिए एनडीए के अपने सहयोगियों पर निर्भर होकर रह जाने के बाद से मीडिया में लग रही इस आशय की अटकलों पर पूर्ण विराम लग जाना चाहिए कि आरएसएस, मोदीशाही से नाखुश है, वह मोदीशाही पर अंकुश लगाने की कोशिश कर रहा है, आदि। भागवत के संबोधन से यह स्पष्ट है कि आरएसएस के मोदीशाही से लोगों की नाराजगी को, उस पर अंकुश लगाने का औजार बनाने या कम से कम उससे असंतुष्ट होने की सारी अटकलें झूठी थीं और आरएसएस प्राण-पण से मोदीशाही के साथ खड़ा है। और यह होना ही स्वाभाविक भी था क्योंकि आरएसएस को इसका बखूबी एहसास है कि मोदी राज के कंधों पर चढ़कर ही वह इस स्थिति में पहुंचा है, जहां वह हिंदू राष्ट्र (और वास्तव में हिंदू राज) के अपने सपने को तेजी से न सही, रेंगकर ही सही, एक वास्तविकता में तब्दील होते देख सकता है। शताब्दी वर्ष में आरएसएस को आंशिक हिंदू राज का गिफ्ट देने वाली मोदीशाही के प्रति, भागवत का इतना कृतज्ञता ज्ञापन तो बनता भी था! बहरहाल, भागवत कोई साधारण कृतज्ञता ज्ञापन पर ही नहीं रुक गए हैं। वह मोदीशाही के खिलाफ आम चुनाव में सामने आए और उसके बाद से बार-बार रेखांकित हो रहे, जनता के असंतोष के खिलाफ तलवार बल्कि कहना चाहिए त्रिशूल लेकर मैदान में कूद पड़े हैं। इस त्रिशूल के तीन शूल हैंकृखतरा, खतरा और खतरा! भागवत सचेत रूप से अपने इस संबोधन के लिए खतरा-कथा का ही चुनाव करते हैं। अपने एक घंटे से लंबे संबोधन में भागवत इसका बखान करते हैं कि कैसे भारत खतरे में हैं, भारत की परंपरा खतरे में है, भारत की संस्कृति खतरे में है, भारत का समाज खतरे में है, भारत का धर्म खतरे में है। और हिंदू शब्द का प्रयोग किए बिना, सबसे बढ़कर इसका बखान करते हैं कि कैसे हिंदू खतरे में है। भारत में ही नहीं, दुनिया भर में ही और इसके लिए वह बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ ज्यादतियों के बहाने, हिंदुओं को संगठित करने की महत्ता का बखान भी करते हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि खतरे की यह कथा सुनाने में भागवत इस विडंबना पर तनिक भी नहीं हिचकते हैं कि मोदी राज के दस वर्ष में अगर ये खतरे इतने अर्जेंट हो सकते हैं, तो इस राज में आगे ये खतरे और ज्यादा क्यों नहीं बढ़ेंगे? और यह भी बांग्लादेश में अगर हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ अन्याय, अन्याय है, तो भारत में मोदीशाही में मुस्लिम और ईसाई भी, अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ता अन्याय, अन्याय क्यों नहीं है, जिसके खिलाफ अल्पसंख्यकों का संगठित होकर प्रतिकार करना उचित और जरूरी हो! बहरहाल, भागवत की इस खतरा-कथा की धार, अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने में कुछ भी नया नहीं है। यह तो आरएसएस के डीएनए में ही है। नयी न सही, फिर भी ध्यान देने वाली बात है, इस कथा में समाज के बंटने के खतरे का, जो वास्तव में ड्क्षहदुओं के ही बंटने का खतरा है क्योंकि अल्पसंख्ड्यक तो समाज की उनकी परिभाषा से पहले ही बहिष्कृत हैं, अपेक्षाकृत नया पेच। यह पेच है, समाज के दबे-कुचले तबकों की संगठित होती आवाज के खतरे का। आरएसएस के इतिहास के जानकार बखूबी इस बात को जानते हैं कि मुसलमानों के डर की ही तरह, निचली जातियों के उभार का डर, आरएसएस को उसकी घुट्टड्डी में मिला है बल्कि उसके संगठन की मूल प्रेरणा रहा है। फिर भी, मोदीशाही को हाल के दौर में दलितों-वंचितों की जिस तरह की मुखरता तथा सक्रिय आलोचना तथा विरोध का सामना करना पड़ा है और जिस तरह जातिगत जनगणना का मुद्दड्डा इस परिघटना के केंद्र में आ गया है, उस पर आरएसएस के सरसंघचालक की खास निगाह रही है। इस सबकी अर्जेंसी जरूर नयी है। बेशक, आरएसएस ने औपचारिक रूप से जाति-आधारित आरक्षण के अपने विरोध को छोड़ दिया है। उसने औपचारिक रूप से यह स्वीकार करना भी शुरू कर दिया है कि अतीत में दलितों के साथ अन्याय हुआ हो सकता है और इससे उबारने के लिए आरक्षण जरूरी हो सकता है। इसके लिए, वह शब्ड़ोंश् से खुद हानि उठाकर भी कुछ उदारता की मांग करने के लिए भी तैयार है। लेकिन इन वंचितों का अपने अधिकारों के लिए मुखर होना और बराबरी के अधिकार के आधार पर संगठित होना, उसे हर्गिज मंजूर नहीं है।

उसे सबसे बढ़कर इसी में हिंदुओं के बंटने का खतरा दिखाई देता है। यही जगह है जहां भागवत से लेकर मोदी तक, सब एक स्वर से योगी आदित्यनाथ का लगाया नारा दोहराने लगते हैंरू श्बंटोगे तो कटोगेश। मुस्लिमविरोधी गोलबंदी की इससे नंगी पुकार दूसरी नहीं हो सकती है। इसी पुकार की आड़ में मनुवादी-ब्राह्मड्ढणवादी आग्रहों को, एकता की पुकार के नाम पर चलाने की कोशिश की जा रही है, जोकि हमेशा से ही आरएसएस का पैंतरा रहा है। लेकिन, आरएसएस के दुर्भाग्य से वर्तमान राजनीतिक-सामाजिक परिस्थितियां उसे आज सामने आकर जातिगत जनगणना तक का विरोध नहीं करने दे रही हैं। इसलिए, जातिगत जनगणना का जिक्र तक किए बिना, उन राजनीतिक परिस्थितियों के बांटने वाला होने का रोना-धोना किया जाता है।बहरहाल, विभाजन का यह रोना सिर्फ सामाजिक रूप से वंचितों की आवाजों तक ही सीमित नहीं है। मौजूदा शासन की हर प्रकार की आलोचना, उसके हर प्रकार के विरोध को ही, बंटवारे के खाते में डाल दिया गया है। संघ प्रमुख के शब्दों में, श्समाज के लिए सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि समाज में विद्यमान भद्रता व संस्कार को नष्टड्ढ-भ्रष्टड्ढ करने के, विविधता को अलगाव में बदलने के, समस्याओं से पीड़ित समूहों में व्यवस्था के प्रति अश्रद्धा उत्पन्न करने के तथा असंतोष को अराजकता में रूपांतरित करने के प्रयास बढ़े हैं। वर्तमान व्यवस्था के प्रति नागरिकों से राजशाही की प्रजा जैसी श्रद्धा की मांग करने के साथ ही यह, लोगों की चिंता तथा परेशानियों की सभी आवाजों को, असंतोष को अराजकता में रूपांतरित करने के प्रयासश् बनाने की कोशिश है। इतना ही नहीं, भागवत ने इस संकट की अपनी पहचान को, मोदीशाही के राजनीतिक मित्रों-शत्रुओं की पहचान से इस कदर एकरूप कर दिया है कि सभी विपक्ष-शासित राज्य इस चिंता की बात के दायरे में आ जाते हैं। आज देश की वायव्य सीमा से लगे पंजाब, जम्ड्ढमू-कश्मीर, लद्दाखय समुद्री सीमा पर स्थित केरल, तमिलनाडुय तथा बिहार से मणिपुर तक का संपूर्ण पूर्वांचल, अस्वस्थ है। इस सब के लिए जिम्मेदार आंतरिक शत्रुओं के रूप में कथित वोक, कल्चरल मार्क्सिस्ट आदि के नाम पर, तमाम वामपंथी, प्रगतिशील तथा जनतांत्रिक ताकतों को तो, संघ ने पहले से ही निशाने पर ले रखा था। इन संज्ञाओं के जरिए संघ अपने इन शत्रुओं को एक वैश्विक लड़ाई के खलनायक बनाने की कोशिश करता है।

कोटेदारों ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उप जिला अधिकारी को सौंपा

तहसील पदाधिकारियों के साथ हरगांव ब्लाक अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जिले में आल इण्डियन फेयर प्राईज शाप डीलर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश महासचिव अशोक कुमार सिंह ने राम लखन सिंह यादव जिला अध्यक्ष की मौजूदगी में सैकडो कोटेदारों के साथ अपनी मांगों के समर्थन में मुख्य मंत्री को संबोधित ज्ञापन उप जिला अधिकारी मिश्रिख को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कोटेदारों ने उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया से कमीशन बढ़ाने सहित अपनी बिभिन्न मांगे की हैं। आपको बताते चलूं कि कोटेदारों ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उप जिला अधिकारी मिश्रिख को मुख्यमंत्री को सौंपते हुए ज्ञापन के माध्यम से दो सौ रुपए प्रति कुंतल कमीशन उत्तर प्रदेश के समस्त राशन डीलरों को बढ़ाए जाने के की मांग की। साथ ही उत्तर प्रदेश के अस्सी हजार राशन डीलरों को गोवा

हरियाणा दिल्ली की तर्ज पर लाभांश दो सौ रुपए प्रति कुंतल बढ़ाने की मांग की है। इस मौके पर कोटेदारों ने कहा कि हमारी ईमानदारी का सबूत वेइंग मशीन के अन्दर मौजूद है हम बेईमान नहीं है ईमानदारी से काम कर रहे हैं तभी उत्तर प्रदेश सरकार को ईमानदारी का प्रमाण पत्र मिला है। अगर समस्त राशन डीलरों के लाभांश बढ़ाये जाने का शासनादेश चार दिसंबर से पहले जारी नहीं किया जाता है।तो उत्तर प्रदेश के समस्त राशन डीलरों के साथ मिल कर जवाहर भवन का घेराव करेंगे। प्रमुख सचिव खाद्य एवं खाद्य आयुक्त को ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराएंगे जिससे कि हमारी समस्या और हमारी मांगों को पूरा करने में सहयोग मिले। जिला अध्यक्ष राम लखन सिंह यादव ने कहा अयोध्या के खाद्य वितरण अधिकारी के द्वारा जो ठेकेदारों के पक्ष में खाद्यान्न दुकान तक नहीं पहुंचने का आदेश किया गया है।उसका सीतापुर जिले में भी विरोध किया जाएगा।जिलाधिकारी जिला पूर्ति अधिकारी जिला खाद्य विपणन अधिकारी को पत्र देकर विरोध दर्ज कराया जाएगा। यह भी कहा कि सीतापुर जिले में समस्त ठेकेदारों के द्वारा समस्त राशन डीलर को शासनादेश के अनुसार खाद्यान्न दुकान तक ही पहुंचाने को क्रियान्वित कराएं अन्यथा सभी कोटेदार आंदोलन करेंगे। जन हित में मुख्यमंत्री को इसका संज्ञान लेना चाहिए क्योंकि ठेकेदारों के द्वारा खाद्यान्न दुकान पर नहीं पहुंचाया जा रहा है खाद्यान्न दुकान पर पहुंचाया जाए।इस मौके पर प्रदेश महा सचिव अशोक कुमार सिंह, जिला अध्यक्ष रामलखन सिंह यादव,आलोक मिश्रा, राजेंद्र,कमलेश मिश्र,राघवेंद्र सिंह,मोनू शुक्ल,बृजलाल वीरेंद्र मधुकर,रमेश,धर्मेंद्र, विनोद तिवारी,कन्हैयायादव श्रवण कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में कोटेदार बंधु उपस्थित रहे। इसके अलावा हरगांव ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर मिश्रा के नेतृत्व में दिनेश कुमुन्नालाल उषा देवी सहित सैकड़ो की संख्या में मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी सीतापुर को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से ब्लॉक अध्यक्ष ने कहा की प्रदेश के अस्सी हजार राशन डीलरों को गोवा हरियाणा दिल्ली की तर्ज पर लाभांश दो सौ रुपए प्रति कुंतल बढ़ा देना चाहिए।वेइंग मशीन के जरिए सरकार ने भी माना है कि हम लोग बेइमान नहीं हैं और इमानदारी का सुबूत वेइंग मशीन में मौजूद है। ज्ञापन सौंपते वक्त तहसील पदाधिकारी के संग मौजूद ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर मिश्र ने चेतावनी दी है कि यदि चार दिसंबर 2024 के पहले लाभांश बढ़ोत्तरी अथवा मानदेय दिए जाने का शासनादेश जारी नहीं किया जाता है तो खाद्य सचिव खाद्य आयुक्त को अवगत कराते हुए समस्त राशन डीलरों के साथ जवाहर भवन का घेराव करेंगे। उन्होंने आशा व्यक्ति की, कि सरकार प्रत्येक मुद्दे पर संवेदनशील है और जनहित की इस मांग को समय से पूरा करते हुए शासनादेश जारी करने में कोताही नहीं करेगी।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा आयोजित एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की हरगांव नगर इकाई के द्वारा बिड़ला विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज के खेल मैदान में गुरु नानक विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज और बिड़ला विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज के छात्रों के द्वारा एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्रिकेट का शुभारम्भ विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं व बिड़ला विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज के शिक्षकों के द्वारा किया गया।क्रिकेट मैच में बिड़ला विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज के छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर मेधावियों को शील्ड,मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया तथा दूसरे स्थान पर टीम गुरु नानक विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। बेस्ट बैट्समैन अनुज बिड़ला विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज व नितिन गुरुनानक इण्टर कॉलेज बेस्ट बॉलर सचिन शिव बिड़ला विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज के छात्र को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आकाश अवस्थी गोपाल मिश्र, डॉ0 तहसील दार चौरसिया,अंशु वर्मा, अंकुल सोनी प्रियांशु गौतम संग्राम सिंह ज्ञान प्रकाश सोनू,वीरपाल राजेश गुप्ता नंद कुमार,अभय सिंह चौहान,शुभम गुप्ता आदि कार्यकर्ता व छात्र मौजूद रहे।

खेतों में पराली जलाए जाने पर समिति कर्मचारियों के साथ ग्राम प्रधान को दोषी मानकर होगी कार्यवाही

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने बताया कि जनपद के कुछ कृषकों द्वारा पूर्व में अपने खेतों में फसल अवशेष के रूप में पराली, गन्ने की पत्तियाँ आदि को खेत में ही जलाया जाता रहा है। यहाँ यह समझना आवश्यक है कि मृदा एक सजीव इकाई है, जो कि विभिन्न प्रकार के भौतिक कणों एवं सूक्ष्म जीवों से मिलकर बना है।खेत में फसल अवशेष जलाने पर पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, साथ ही मृदा तापक्रम में बढ़ोत्तरी के कारण करोड़ों उपयोगी सूक्ष्म जीव/जीवाणु आदि मृदा से नष्ट हो रहे हैं। इन गतिविधियों से मृदा में जैविक अंश/कार्बनिक पदार्थ की मात्रा भी लगातार घटती जा रही है। मृदा में कार्बनिक अंश घटने पर पेड़ पौधे अपना भोजन भूमि से ठीक से ग्रहण नहीं कर पाते हैं और हमारे द्वारा प्रयुक्त उर्वरक आदि का प्रयोग पौधे सीधे-सीधे नहीं कर पाते हैं। इस प्रकार पराली जलाने से पर्यावरण को अत्यधिक क्षति पहुंच रही है। पराली जलाने की घटनाओं को रोकने तथा पराली के उचित प्रबंधन आदि के सम्बन्ध में कार्यवाही हेतु शासनादेश दिनांक 11 अक्टूबर 2020 कृषि के क्रम में प्रत्येक ग्राम सभा हेतु प्रधान, राजस्व विभाग, कृषि विभाग तथा ग्राम्य विकास, पंचायती राज विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाती है, जिसके विवरण के अनुसार जनपद की प्रत्येक ग्राम सभा के लिये ग्राम प्रधान, संबंधित ग्राम के लेखपाल, संबंधित ग्राम के प्राविधिक सहायक, संबंधित ग्राम के ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम विकास अधिकारी की ड्यूटी लगायी गयी है। उपर्युक्तानुसार गठित समिति द्वारा निम्न विवरण के अनुसार कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा- ग्राम सभा में पराली जलाने से होने वाले नुकसान पराली प्रबन्धन के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी देना,पराली जलाने पर दण्डात्मक प्राविधानों के सम्बन्ध में बैठक/गोष्ठी के माध्यम से ग्रामवासियों को जागरूक करना।वालपेन्टिंग,सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया जाये। पराली जलाने की घटना होने पर तत्काल आग बुझाने की कार्यवाही कराना तथा सम्बन्धित थानाध्यक्ष एवं तहसील को सूचित करना होगा। ग्राम सभा में जहां भी कम्बाइन हार्वेस्टर के द्वारा कटाई की जाती रही है फसलों की/ खेत की निगरानी रखना जिससे किसान पराली जलाने न पाये एक हे0 से अधिक तथा ऐसे किसानों की सूची तैयार करना जिनके द्वारा पराली जलाये जाने की सम्भावना है तथा उन्हें सचेत करना।ग्राम सभा में कम्बाइन हार्वेस्टर बिना सुपर स्ट्रा मैनेजमेन्ट सिस्टम के चलाने की जानकारी होने पर तत्काल सम्बन्धित थाना एवं तहसील को सूचित करना।ग्राम सभा में पराली उपलब्ध होने पर उसे इकट्ठा करने एवं पास की गौशाला में पहुंचाने का भी कार्य किया जाये। इसके लिए मनरेगा अथवा वित्त आयोग से प्राप्त फण्ड से व्यवस्था की जाये। फसल अवशेष प्रबन्धन हेतु अनेक उपयोगी कृषि यन्त्र जैसे मल्चर,हैप्पी सीडर,पैडी स्ट्राचापर,जीरो ट्रिल सीड ड्रिल आदि उपलब्ध हैं,जिनके उपयोग से फसल अवशेष प्रबन्धन खेत में ही हो जाता है, साथ ही बुवाई आदि का कार्य भी पूरा किया जा सकता है किसानों के द्वारा फसल अवशेष जलाने के स्थान पर इन यन्त्रों का उपयोग करके फसल अवशेष का उपयोग करने की आवश्यकता है। जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड में अनुदान पर कस्टम हायरिंग सेन्टर/फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना की गयी है। समिति के द्वारा ग्राम पंचायत के किसानों को इस सम्बन्ध में जागरूक किया जाए। सभी ग्राम पंचायतों में एक सप्ताह के अन्दर ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में समिति के सदस्यों तथा किसानों की एक बैठक आयोजित की जाये, जिसका कार्यवृत्त जारी कर खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय में संकलित करके रखा जाये। बैठक में सभी को पराली ने जलाने के लिए संकल्प भी दिलाया जाय। बैठक के माध्यम से लोगों को पराली जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तृत जानकारी देकर इस बात के लिए तैयार किया जाय कि व स्वयं पराली न जलाने में सहयोग के लिए आगे आयें। उपरोक्त कार्यों का तहसील स्तर पर अनुश्रवण करने हेतु सम्बन्धित तहसील के उप जिला अधिकारी एवं उपसम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी संयुक्त रूप से उत्तरदायी होंगे। उन्होंने निर्देशित किया है कि समिति के सभी कर्मचारी निरन्तर ग्राम प्रधान के सम्पर्क में रहकर उपर्युक्त कार्यो का निष्पादन सुनिश्चित करेंगे तथा यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी दशा में पराली जलाने की घटना न होने पायें यदि किसी ग्राम सभा में पराली जलाने की घटना पायी जाती है तो सम्बन्धित प्रधान तथा समिति के कर्मचारियों का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुये कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

दो बाइकों की भिड़ंत में युवक की मौत मामले में दूसरे बाइक सवार पर रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। बंथरा में करीब 3 सप्ताह पहले दो बाइकों की भिड़न्त में हुई युवक की मौत के मामले में मृतक के मामा ने दूसरे बाइक सवार के खिलाफ बंथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताते चलें कि बीती 22 सितंबर को बंथरा के नारायनपुर - फतेहगंज रोड पर रामदासपुर के पास मलिहाबाद के सरावां निवासी प्रिंस यादव (18) और बंथरा के ही रामदास पुर निवासी निखिल अवस्थी की बाइक आमने-सामने टकरा गई थी। इस हादसे में प्रिंस की मौत हो गई थी। जिसको लेकर मृतक के मामा काकोरी के अजमतनगर निवासी राजकुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। राजकुमार के मुताबिक प्रिंस बंथरा के कटी बगिया स्थित अमेजन कंपनी में काम करता था। वह नाइट शिफ्ट में काम करने के लिए 22 सितंबर को शाम करीब 6 बजे अपनी बाइक से ड्यूटी पर जा रहा था। तभी सामने से आ रहे रामदास पुर निवासी बाइक सवार निखिल अवस्थी ने लापरवाही व तेज रफ्तार में बाइक चलाकर सामने से ठोकर मार दी। जिससे प्रिंस की मौत हो गई।

अपर जिला जज नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत द्वारा बैंक अधिकारियों के साथ की गई बैठक

बैठक के दौरान दिए आवश्यक निर्देश

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीतापुर, ''मनोज कुमार तृतीय'' के निर्देशानुसार, अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ''नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी'' द्वारा पन्द्रह अक्टूबर 2024 को एक बैठक समस्त बैंक अधिकारियों के साथ आहूत की गयी, उक्त बैठक की ''अध्यक्षता भगीरथ वर्मा'', अपर जिला जज,कोर्ट-14 नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत द्वारा ली गयी। उक्त बैठक में अपर जिला जज/सचिव, द्वारा उपस्थित समस्त बैंक अधिकारियों से आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत चौदह दिसम्बर 2024 में अधिक से अधिक बैंक रिकवरी वादों को निस्तारित किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किये जाने पर विचार-विमर्श किया गया।साथ ही यह भी निर्देश दिये गये कि चिन्हांकित

वादों की पत्रावालियां/सूची समय से उपलब्ध करा दी जाये। उक्त बैठक में लीड बैंक मैनेजर, अनल कुमार, इण्डियन बैंक से एहसन अराफात,यूको बैंक से अंशुल अग्रवाल,आर्यावृत बैंक से सतीश कुमार, भारतीय स्टेट बैंक से धर्मेन्द्र पाल सिंह,केनरा बैंक से अंशुल पाण्डेय,बैंक ऑफ इण्डिया से अरविन्द शुक्ल, बैंक ऑफ बड़ौदा से धर्मेन्द्र कुमार,पंजाब एण्ड सिंध बैंक से मनीष सिंह,पंजाब नेशनल बैक से संजय शुक्ल आदि बैंक अधिकारी बैठक में उपस्थित रहे। साथ ही पूर्व में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत 14 सितंबर 2024 में उत्कृष्ट निस्तारण हेतु लीड बैंक मैनेजर अनल कुमार व आर्यावृत बैंक सीतापुर (जोन सीतापुर) तथा पंजाब नेशनल बैंक, सीतापुर को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

आरटीओ कार्यालय परिसर में आपस मे विवाद कर रहे चार युवक को पुलिस ने दबोच

पुलिस चारों को थाने उठा लायी और शांतिभंग की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली मंगलवार को चारों युवकों का शांतिभंग की धाराओं में चालान कर दिया। आरटीओ कार्यालय के सूत्रों की मानें तो यहां कर्मचारियों की कमी होने के कारण यह चारों युवक अलग-अलग काउंटरों पर तैनात अधिकारियों की मदद के लिए काम करते है। इससे जहां अधिकारियों को अपना काम निपटाने में मदद मिलती है, वहीं आरटीओ कार्यालय में काम कराने आने वाले वाहन मालिकों को भी काम कराने में आसानी होती है। सूत्रों का कहना है कि आरटीओ कार्यालय परिसर में स्थित पुलिस चौकी के प्रभारी ने इन युवकों से अपने परिचितों का काम करने को कहा था। लेकिन इन युवकों ने समय से काम नहीं किया। जिससे नाराज आरटीओ पुलिस चौकी के पुलिसकर्मी इन युवकों को थाने उठा लाए और रातभर हवालात में रखने के बाद मंगलवार को शांतिभंग की धाराओं में चालान कर दिया।

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर स्थित आरटीओ कार्यालय परिसर में सोमवार को आपस मे विवाद कर रहे चार युवक को पुलिस ने दबोच लिया। बाद में उनके खिलाफ शांतिभंग की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर मंगलवार को उनका चालान कर दिया। पुलिस के मुताबिक उन्नाव जिले के असोहा में रहने वाला राकेश, राजधानी के मोहनलालगंज निवासी शिवम यादव व कृष्णानगर क्षेत्र में रहने वाला गोविंद यादव व श्रीकांत सोमवार दोपहर टीपीनगर स्थित आरटीओ कार्यालय के अन्दर आपस मे विवाद कर रहे थे। पुलिस का कहना है कि मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी सूचना दी। सूचना पाकर पहुंची

डी.ए.वी. इंटर कालेज पर असामाजिक तत्वों ने जमा रखा है अधिकार

- प्रशासन योजना में मनमाने ढंग से किया संशोधन ?
- संयुक्त शिक्षा निदेशक द्वादश मण्डल मुरादाबाद को भेजा प्रार्थना पत्र
- आर्य समाज बिजनौर के अध्यक्ष सतेन्द्र कुमार शर्मा ने भेजी शिकायत
- डी.ए.वी. इंटर कालेज पर असामाजिक तत्वों ने जमा रखा है अधिकार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संजय सक्सेना

बिजनौर। वर्ष 1956 से आर्य प्रतिनिधि सभा उ.प्र. लखनऊ द्वारा संचालित डी.ए.वी. इंटर कालेज की प्रशासन योजना में मनमाने ढंग से संशोधन कर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा इस संस्था पर अधिकार जमा लिया गया है! यह आरोप आर्य समाज बिजनौर के अध्यक्ष सतेन्द्र कुमार शर्मा ने लगाया है। उनका कहना है कि वर्ष 1991 में मातृ संस्था के साथ छल व कपटपूर्ण व्यवहार कर उक्त साजिश को अंजाम दिया गया। इस संशोधित/अनुमोदित प्रशासन योजना को निरस्त करने के संबंध में श्री शर्मा ने 14-10-2024 को संयुक्त शिक्षा निदेशक द्वादश मण्डल मुरादाबाद को प्रार्थना पत्र दिया है। आर्य समाज बिजनौर के अध्यक्ष सतेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा कि आर्य प्रतिनिधि सभा उ.प्र. लखनऊ एक पंजीकृत संस्था है। इसका नवीनीकरण दिनांक 16-01-2021 को सहायक निबंधक लखनऊ द्वारा किया गया है। इसी पंजीकृत संस्था द्वारा समूचे उ.प्र. में आर्य समाज एवं तत्संबंधी शिक्षण संस्थाओं का संचालन भी किया जाता है। ये सभी संस्थाएं पंजीकृत आर्य प्रतिनिधि सभा उ.प्र. लखनऊ की अनुमोदित नियमावली से नियंत्रित व संचालित होती हैं। इसी क्रम में सतेन्द्र कुमार शर्मा ने अवगत कराया कि वह स्वयं आर्य समाज बिजनौर के अध्यक्ष हैं। नियमावली की संगत धाराओं में वर्णित सूत्रों के अनुसार आर्य समाज का प्रधान ही सभी शिक्षण संस्थाओं का भी पदेन अध्यक्ष होता है। 1956 से ही मातृ संस्था आर्य प्रतिनिधि सभा उ.प्र. लखनऊ द्वारा संचालित संयुक्त शिक्षा निदेशक द्वादश मण्डल मुरादाबाद को भेजे प्रार्थना पत्र में श्री शर्मा ने कहा कि संस्था डी.ए.वी. इंटर कालेज बिजनौर वर्ष 1956 से

ही मातृ संस्था आर्य प्रतिनिधि सभा उ.प्र. लखनऊ द्वारा संचालित है। आरोप है कि वर्ष 1991 में प्रशासन योजना में मनमाने ढंग से संशोधन कर मातृ संस्था के साथ छल व कपटपूर्ण व्यवहार कर कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा इस संस्था पर अधिकार जमा लिया गया है। अनेक बार उच्च अधिकारियों को इस समस्या के समाधान हेतु लिखा भी गया है। डी.ए.वी. इंटर कालेज बिजनौर की प्रशासन योजना में कूटरचित योजना षड्यंत्र एवं दस्तावेज़ों में तथ्यों को छुपाकर मातृ संस्था के साथ धोखा किया गया है, जिसका निरस्त किया जाना अति आवश्यक है। शासनादेश संख्या 11-54/15-09-08-25/8 दिनांक 20 अक्टूबर 2008 के आलोक में जिला विद्यालय निरीक्षक बिजनौर द्वारा चुनाव को मान्य किए जाने के आदेश पारित किए हैं, यद्यपि वस्तुस्तिथि बिल्कुल इसके विपरीत है। प्रार्थना पत्र में अध्यक्ष श्री शर्मा ने वर्ष 1991 में मातृ संस्था के साथ छल कपट कर मनमाने ढंग से संशोधित /अनुमोदित प्रशासन योजना को निरस्त करने के आदेश पारित करने के साथ ही वर्ष 1991 से पूर्व मूल प्रशासन योजना के अनुसार ही चुनाव संबंधी क्रियान्वयन किए जाने के आदेश देने की मांग की है। आर्य समाज बिजनौर के अध्यक्ष सतेन्द्र कुमार शर्मा ने इसकी प्रतिलिपि प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा उ.प्र. लखनऊ एवं शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) 18 पार्क रोड लखनऊ को भी प्रेषित की है।

नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता इरफान कुरैशी

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नर अमरेन्द्र कुमार सेंगर दिशा निर्देश द्वारा थाना ठाकुरगंज पुलिस को वादिनी द्वारा मुकदमे की लिखित तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत कराया, आरोपी अमित वर्मा निवासी 2/51, सैक्टर एलडीए कालोनी आशियाना लखनऊ,वादिनी का अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देने व ब्लैकमेल करने वाला व बहाने कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर वादिनी के साथ दुष्कर्म किया गया, इस सूचना पर थाना प्रभारी श्रीकांत राय ने पुलिस बल को रवाना किया, आरोपी की तलाश जारी थी, वांछित चल रहा था आरोपी, मुखबिर की सूचना पर आरोपी अमित वर्मा को कानपुर बाईपास से गिरफ्तार किया, इस क्रम (पश्चिम) डीसीपी, द्वारा दिशा निर्देश पर गठित कि कई टीमें लगातार अपराधियों को धरपकड़ कर रही हैं,थाना ठाकुरगंज निरीक्षक श्रीकांत राय के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर, नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गया है,

मां गोमती कल्याण सेवा समिति व शिवालिक स्पेशल स्कूल में विश्व सफेद केन दिवस मनाया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। पराग रोड, एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड स्थित मां गोमती कल्याण सेवा समिति व शिवालिक स्पेशल स्कूल में मंगलवार को विश्व सफेद केन दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए संस्था के चेयरमैन आरबी सिंह ने दिव्यांग जनों के हित और उन्हें स्वरोजगार बनाने के लिए उसके बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में डिप्लोमा इन स्पेशल एजुकेशन वीआई प्रथम वर्ष के छात्र आर्यन राठौर ने स्मार्ट केन को लेकर एक लघु नाटिका के जरिए दृश्य दिव्यांग लोगों के जीवन से संबंधित जानकारियां दी। उन्होंने इसके जरिए एक प्रेक्टिकल करके मौजूद लोगों को दिखाया कि दिव्यांग लोग सफेद केन के जरिए कैसे अपना रास्ता तय करते हैं। इसी तरह डिप्लोमा इन स्पेशल एजुकेशन प्रथम वर्ष की छात्राओं ने अक्षम सक्षम एक समान सबको शिक्षा सबको ज्ञान थीम पर काव्य पाठ प्रस्तुत किया। इसके अलावा अनेक बच्चों ने भी दृष्टि दिव्यांगों की जीवनचार्य के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में चेयरमैन आरबी सिंह ने दृष्टि दिव्यांगों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने की सलाह दी। इस मौके पर संस्था की चेयर पर्सन सुखविंदर कौर सलूजा, प्रबंधक योगेश सिंह, प्रधानाध्यापिका रूही नाज, कोर्स कोआर्डिनेटर अभिलाषा कुलदीप, विभा शर्मा, आलोक कुमार और कमलेश कुमार सहित सभी शिक्षक /शिक्षिकाएं और स्टाफ मौजूद रहा।

शातिर चोर दो सोलर पैनल के साथ गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजिनीनगर। बंथरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत चोरी का सिलसिला थमने का

नाम नहीं ले रहा. बीती सोमवार रात्रि को चोरों ने बीए एनएस सोलर पैनल पार कर दिया था. दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था. और मंगलवार के दिन मुखबिर खास की सूचना पर बीएनएस से सम्बन्धित चोरी किये गये सोलर पैनल को पुलिस टीम द्वारा औरांवा जाने वाले रास्ते पर करीब 500 मीटर आगे अभियुक्त हरिश्चन्द यादव पुत्र सत्य कुमार यादव निवासी सुल्तानपुर कमइचा थाना कमलापुर जिला सीतापुर उम्र करीब 26 वर्ष को दो सोलर पैनल के गिरफ्तार कर विधि कार्रवाई की जा रही है.

नरगाकोठी कॉलेज में खेल कूद के दिशा निर्देश बैठक आयोजित संपन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ - राजा रमन झा

भागलपुर। मंगलवार को भारती शिक्षा समिति एवं शिक्षा प्रबंध समिति दक्षिण बिहार के आयोजकत्व में आयोजित 35 वें क्षेत्रीय एथलेटिक्स खेल कूद पूरनमल बाजोरिया शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के अतिथ्य में 16 अक्टूबर 2024 से 18 अक्टूबर 2024 तक चलने वाला है। इसके पूर्व संध्या पर खेलकूद मार्गदर्शक एवं गया के विभाग प्रमुख ब्रह्मदेव प्रसाद की अध्यक्षता में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित किया गया। ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि 35 वें क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में 350 भैया/ बहन भाग लेंगे जो झारखंड दक्षिण बिहार एवं उत्तर बिहार से चयनित भैया बहन आने वाले हैं । खेलकूद की दृष्टि से तीन प्रकार के इवेंट खेलेंगे दौड़ ,कूद एवं फेंक। यहां प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले भैया बहन राष्ट्रीय खेल कूद सतना मध्य प्रदेश में 23 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक आयोजित है भाग लेंगे। विद्या भारती ने प्रारंभ से ही हमारे भैया बहन स्वस्थ रहें निरोग रहें ऐसा प्रयास किया है। स्वास्थ्य ही धन है। आज खेलकूद को हम लोगों ने बढ़ावा दिया है। आज कैरियर के रूप में खेलकूद आगे बढ़ रहा है। विद्या भारती को एसजीएफआई से 1988 से स्थाई मान्यता प्राप्त हुआ है। अभी एसजीएफआई में विद्या भारती छठे स्थान पर है। क्षेत्रीय खेल कूद प्रमुख फणीश्वर नाथ ने कहा कि यहां तीन दिनों तक 16 से 18 अक्टूबर को खेल होना है जिसे हम लोग समारोह के रूप में मनाते हैं। विद्या भारती हमेशा भैया बहनों का सर्वांगीण विकास चाहता है। प्रशासनिक रूप से दो प्रांत बिहार एवं झारखंड तथा विद्या भारती के रूप से झारखंड, दक्षिण बिहार एवं उत्तर बिहार तीन प्रांत के भैया बहन भाग लेंगे जो पिछले 3 महीने से खेल हो रहा है और उसमें चयनित होकर आ रहे हैं। प्राचार्य राजकुमार ठाकुर ने कहा कि हमें इस प्रकार का अवसर प्रदान कर सेवा करने का मौका दिया गया है इससे हम बहुत खुश हैं। हम सभी भैया बहन आचार्य एवं सबों के रहने खाने एवं सभी प्रकार की सुविधा का ध्यान रखूंगा। विभाग प्रमुख विनोद कुमार ने कहा कि 16 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक चलने वाले क्षेत्रीय एथलेटिक्स खेलकूद का उद्घाटन 16 अक्टूबर 2024 को संध्या 3:00 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य अमरेश कुमार,प्रांतीय खेलकूद प्रमुख राकेश पांडे, डॉ अजीत दुबे, अदिति करवा,पूजा कुमारी,राजीव शुक्ला, रोशन सिंह, गौरी शंकर मिश्र, शैलेश मिश्रा ,प्रकाश लाल जायसवाल, धनंजय कुमार, जीवन राठौर ,वीरेंद्र कुमार ,परमेश्वर कुमार, एवं मीडिया प्रभारी शशि भूषण मिश्र उपस्थित थे।

डी.ए.पी., यूरिया के साथ अन्य उर्वरक क्रय करने हेतु बाध्य करने वाले उर्वरक विक्रेताओं के किए जाएं लाइसेंस निरस्त-जिलाधिकारी

कम्बाइन मशीन का बिना एस.एम.एस. के संचालन न हो, बिना एस.एम.एस. के संचालित कम्बाइन मशीनों को किया जाए सीज

तीसरा विकल्प न्यूज - संवाददाता अतुल कुमार पुरूषोत्तम

मैनपुरी। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने मंडल स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी के संबंध में आयोजित बैठक में उपस्थित कृषक संगठनों के पदाधिकारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जनपद में डी.ए.पी., यूरिया की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी, सभी किसानों को आवश्यकता के अनुसार समय से उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, किसानों की समस्याओं का सर्वोच्च प्राथमिकता पर निदान होगा, किसानों को उनकी उपज का वाजिब मूल्य मिले, जिला प्रशासन सुनिश्चित कराएगी, किसानों को खाद, बीज, कृषि यंत्रीकरण पर मिलने वाली अनुदान राशि बिना किसी विलम्ब के लाभार्थी किसानों के खातों में डी.बी.टी. के माध्यम से उपलब्ध होगी। उन्होंने कृषक संगठनों के पदाधिकारियों से कहा कि सहकारी समितियों, प्राइवेट उर्वरक विक्रेताओं के यहां उपलब्ध डी.ए.पी. में कोई अंतर नहीं है, किसान सहकारी समितियों के साथ-साथ प्राइवेट दुकानों से भी डी.ए.पी. खरीदें, वहां पर भी निर्धारित मूल्य रू. 1350 पर डी.ए.पी. उपलब्ध है यदि किसी दुकानदार द्वारा निर्धारित दर से अधिक धनराशि की मांग की जाए या डी.ए.पी. के साथ अन्य उर्वरक क्रय करने हेतु बाध्य किया जाए तो संज्ञान में लायें, संबंधित दुकानदार का लाइसेंस निरस्त कर वैद्यानिक कार्यवाही की जाएगी। श्री सिंह ने बैठक में उपस्थित कृषकों का आह्वान करते हुए कहा कि फसल अवशेष किसी भी दशा में खेतों में न जलाएं, रासायनिक खादों पर निर्भरता कम कर जैविक खेती को बढ़ावा दें, तिलहनी, दलहनी फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाकर फसलचक्र अपनाएं, खेतों की मृदा के प्रति सजग रहें, अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग के फलस्वरूप भूमि की उर्वरा शक्ति में निरंतर कमी आ रही है। उन्होने कृषि, विद्युत, नलकूप, नहर विभाग के अधिकारियों से कहा कि आपस में समन्वय स्थापित कर किसानों को सिंचाई हेतु समय से पानी, खाद, बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करायें, जो भी राजकीय नलकूप विद्युत, यान्त्रिक दोष से खराब है, उन्हें तत्काल ठीक कराया जाए, नहरों में अंतिम टेल तक पानी की उपलब्धता रहे ताकि किसानों को सिंचाई हेतु असुविधा का सामना न करना पडे। जानकारी करने पर जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि जनपद में सिंचाई हेतु 587 राजकीय नलकूप स्थापित है, जिसमें से 11 यान्त्रिक दोष एवं 03 विद्युत दोष के कारण खराब है, जनपद में 03 नहरें एवं 89 टेलों के माध्यम से कृषकों को सिंचाई हेतु पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाती है, जनपद में रबी की बुवाई हेतु सरसों, गेहूं, चना, मटर, मसूर जौं का बीज, यूरिया, डी.ए.पी., एन.पी.के. माप उर्वरक, कृषि रक्षा रसायन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। बैठक में उपस्थित संगठनों के पदाधिकारियों ने बताया कि धान की उपज का वाजिब मूल्य नहीं मिल रहा है, मंडी में धान प्रजाति 1509, 1692, रू. 2300-2400 प्रति कुंटल की दर पर बिक रहा है जबकि गत वर्ष उक्त प्रजाति के धान का मूल्य रू. 3500 से 4000 प्रति कुंटल था, कृषकों ने बताया कि कुछ दुकानदारों द्वारा डी.ए.पी. निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उपलब्ध करायी जा रही है, कुछ समितियों पर सचिवों द्वारा मनमानी किये जाने के कारण डी.ए.पी. प्राप्त होने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, जिस पर उन्होंने सचिव मंडी को आदेशित करते हुये कहा कि किसी भी आढ़ती द्वारा किसानों का शोषण न किया जाए, कृषि अधिकारी डी.ए.पी. सम्बन्धी शिकायतों को गंभीरता से लेकर प्रभावी कार्यवाही करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी राम जी मिश्र, अधिशासी अभियंता विद्युत, नहर, नलकूप, उप कृषि निदेशक, जिला उद्यान अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी सहित कृषक संगठनों के पदाधिकारी आदि उपस्थित रहे।

घर में घुसकर चोरी करने के आरोपी के खिलाफ नामजद मुकदमा

लालगंज, प्रतापगढ़। मोबाइल व नकदी चोरी करने के मामले में आरोपी के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। लालगंज कोतवाली के असैनापुर गांव निवासी बद्री प्रसाद के पुत्र हरीलाल पाल ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि बारह अक्टूबर को सुबह तीन बजे गांव के शैलेष वर्मा उर्फ पन्ने लाल पुत्र बृजपाल वर्मा ने मेरे तकिया के पास रखा मोबाइल फोन व आठ सौ रूपये नकद चुराकर भागने लगा।

अलग अलग दुर्घटनाओं में महिला समेत दो घायल

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली के परसपुर खीरी निवासी तीस वर्षीय सुधा पत्नी राकेश वर्मा सोमवार की दोपहर बारह बजे किसी काम से पैदल खालसा गांव जा रही थी। इस दौरान इन्दिरा चौराहे पर तेज गति अज्ञात टैक्टर की टक्कर में वह गंभीर रूप से घायल हो गयीं। उधर लालगंज के अमावां चौराहे पर साइकिल से अखबार बांटने निकले कमयनपुर निवासी बासठ वर्षीय कृष्ण कुमार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता इरफान कुरैशी

लखनऊ। थाना मड़ियांव पुलिस को वादी मुकदमा द्वारा दिनेश कुमार पाल निवासी म.न.5,37 सी 12,बी शेरवानीनगर थाना मड़ियांव लखनऊ को वादी की मोटरसाइकिल स्पलेंडर चोरी हो जाने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत कराया, यह सूचना थाना प्रभारी शिवानंद मिश्रा को मिली तो क्रोधित हुए, सख्त निर्देश दिए, यह चोर बच के जाने ना पाए,तभी मुखबिर की सूचना मिली, एक लड़का महर्षि विद्यालय के पास से व्यक्ति को कपड़ लिया गया, आरोपी दीपक कुमार उर्फ अनुज नि. ग्राम उमरापुर पोस्ट गौरिया जनपद सीतापुर, जिसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई, इसी क्रम में , डीसीपी, दिशा-निर्देश पर गठित की कई टीमें लगातार अपराधियों को धर पकड़ कर रही है। जिसमें आज थाना मड़ियांव प्रभारी निरीक्षक शिवानंद मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर, नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गया है,

दो दिवसीय जनपद स्तरीय मिलेट्स महोत्सव का आयोजन 22 एवं 23 अक्टूबर को

प्रतापगढ़। जिले में जिलाधिकारी संजीव रंजन ने सोमवार को बताया है कि मिलेट्स के उपभोग के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से जनपद में संचालित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना के न्यूट्रीसीरियल घटक अन्तर्गत दिनांक 22 अक्टूबर एवं 23 अक्टूबर 2०24 को पूर्वान्ह 1० बजे से कृषि भवन प्रतापगढ़ (कटरा रोड) के परिसर में दो दिवसीय जनपद स्तरीय मिलेट्स महोत्सव/मेला तथा मिलेट्स रेसीपी विकास एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमें सभी विभागों द्वारा अपने-अपने विभाग से सम्बन्धित क्रियाकलापों एवं शासन द्वारा अनुमन्य सुविधाओं की जानकारी, प्रदर्शनी/स्टाल के माध्यम से मेले में भाग लेने वाले कृषकों को दी जायेगी। कार्यक्रम के माध्यम से कृषकों को खाद्य एवं पोषण सुरक्षा हेतु मिलेट्स/पौष्टिक अनाज के उपभोग के प्रति जागरूक किया जायेगा, जिसमें समस्त विभागों के प्रगतिशील कृषकों की भागीदारी तथा जनपद के समस्त कृषक उत्पादक संगठनों (एफ०पी०ओ) के सदस्यों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करायी जायेगी। उन्होने यह भी बताया है कि दिनांक 23 अक्टूबर को मिलेट्स के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से पूर्वान्ह 11 बजे से जनपद के शहर सीमा के अन्तर्गत रोड शो का आयोजन भी किया जायेगा। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव ने जनपद के कृषक बन्धुओ से अनुरोध किया है कि दिनांक 22 एवं 23 अक्टूबर को दो दिवसीय जनपद स्तरीय मिलेट्स/मेले में प्रतिभाग कर प्रदर्शनी स्टाल, विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण जानकारियॉ प्राप्त करें।

किशोरी को बहला फुसलाकर भगाने वाले आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में आरोपी के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। लालगंज कोतवाली के एक गांव निवासी पीडित का आरोप है कि उसकी सोलह वर्षीया पुत्री को बीती सात अक्टूबर के दिन दोपहर बारह बजे लालगंज इलाके के अगई निवासी अंकुश पुत्र बबलू बहला फुसलाकर भगा ले गया। आरोप है कि अंकुश के कहने पर किशोरी अपनी मां का गहना व पैसा भी साथ उठा ले गयी। पीड़ित ने किशोरी के साथ अनहोनी की आशंका व्यक्त करते हुए आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराया है। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव ने बताया कि किशोरी व आरोपी की तलाश की जा रही है, शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा।

आईआईटी आईएसएम की बाउंड्री का काम एनएसयूआई ने रोकी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। मंगलवार को बिना किसी जानकारी के धनबाद आईआईटी आईएसएम ने पी. के.रॉय कॉलेज के सामने अपनी बाउंड्री करने की कोशिश की। प्रवक्ता ने बताया बाउंड्री से पी. के. रॉय कॉलेज के छात्रों को बहुत परेशानियों का सामना करना पर सकता है तथा कॉलेज में किसी भी प्रकार की आपदा होने पर बाहर निकलने के लिए केवल एक रास्ता है। जिस कारण आज सभी शिक्षक तथा दर्जनों छात्र के साथ एनएसयूआई ने आंदोलंद किया और बाउंड्री होने से रोका।मौके पर मौजूद एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल कृष्णा चौधरी, प्रदेश सचिव रवि, विश्वविद्यालय छात्र प्रतिनिधि राज रंजन सिंह, सन्नी सिंह,अनिकेत ,रोशन कुमार, पियूष सिंह, अमन,आयुष, ध्रुव, नवनीत, अभिनाश,वरुण, मुकेश,सचिन तथा अन्य छात्र मौजूद थे।

राष्ट्रीय वर्चुअल बैठक कर एफपीओ के माध्यम से किसानों को किया गया जागरूक

सोनभद्र। यूनिवर्सल सोनांचळ फार्मर एसोसिएशन (एफपीओ) एवं तेजस्वी संगठन न्यास द्वारा संचालित तेजस्वी किसान मार्ट द्वारा बिहार, मध्यप्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में वर्चुअल बैठक कर स्नक्ह को किया गया जगरूक बैठक का संचालन ई. प्रकाश पाण्डेय सीईओ यूनिवर्सल सोनांचळ फार्मर एसोसिएशन द्वारा किया गया मुख्य वक्ता के रूप में हिमांशु चतुर्वेदी राष्ट्रीय संगठनमंत्री तेजस्वी किसान मार्ट रहे। सर्वप्रथम बिहार प्रदेश की निगरानी समिति के सदस्यों के साथ परिचयात्मक बैठक कर स्नक्ह द्वारा किसानों को जागरूक व आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की योजनवो पर वृहद चर्चा की गई। बिहार प्रदेश से आशोक कुमार, शैलेन्द्र कुमार, प्रकाश कुमार तिवारी, डायमंड कुमार, नंदलाल कुमार, निखिल रोशन, ज्योति प्रकाश,बिहार के प्रभारी गुड्डू सिंह जी रहे। मध्यप्रदेश में राजाराम पटेल, अर्जुन चडार, पुरषोत्तम पटेल, दीपक राय, कमलेन्द्र कुमार, कुलदीप कुमार कानूनगो, रामेश्वर यादव, बृजकिशोर तिवारी, और उत्तर प्रदेश से गिरिराज सिंह, हितेश चौधरी, गुड्डू सिंह, अखिलेश शुक्ला, गौरव सिंह सम्मिलित रहे। तेजस्वी किसान मार्ट का उद्देश्य उत्पादक से उपभोक्ता के सफर में एफपीओ की भूमिका पर वृहद चर्चाएं की गई। एफपीओ संचालन में आने वाली समस्यावो व उनके समाधान पर निगरानी समिति के सदस्यों द्वारा अपने अपने विचार प्रस्तुत किये गये। जिस पर तेजस्वी किसान मार्ट समिति ने अपनी सहमती प्रस्तुत की हिमांशु चतुर्वेदी द्वारा बताया गया कि एफपीओ को अपने आस पास व्यापार की सुरुआत करते हुये जनपद, प्रदेश, देश एवं विदेश तक का सफर क्रमशः तय करने की आवश्यता है। लोकल फ़ॉर वोकल के मंत्र पर काम करने की आवश्यकता है। ई. प्रकाश पाण्डेय द्वारा बताया गया कि एफपीओ को एकल विचारधारा से आगे बढ़कर सामूहिक विचारधारा पर काम करने की आवश्यकता है तभी देश के किसानी में एफपीओ के प्रति विश्वास की भावना का विकास होगा। तेजस्वी किसान मार्ट एफपीओ से एफपीओ के व्यापार के पल का काम करता है। जिससे देश के किसी भी कोने में एफपीओ दूसरे कोने में स्थापित एफपीओ के साथ सफलता पूर्वक व्यापार कर सके।

एसजेएएस निजी हॉस्पिटल का राज्यपाल संतोष गंगवार ने किया उद्घाटन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। राज्यपाल संतोष गंगवार ने मंगलवार को एसजेएएस मल्टी स्पेशलिटी निजी हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। एसजेएएस हॉस्पिटल को पूर्वी भारत का सबसे आधुनिक अस्पताल बताया जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व सांसद पी.एन. सिंह, विधायक राज सिन्हा, रागिनी सिंह और अस्पताल के ऑनर अमरेंद्र सिंह समेत सैकड़ों लोग उपस्थित थे । मीडिया से बात करते हुए अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि इस अत्याधुनिक स्वास्थ्य संस्थान में 19 विभिन्न बीमारियों का इलाज उपलब्ध होगा, जिससे झारखंड के लोगों को इलाज के लिए अन्य राज्यों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि यहां मरीजों को उचित दाम पर बेहतरीन चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराई जाएंगी, जो क्षेत्र के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूती प्रदान करेंगी। अभी तक कई निजी हॉस्पिटल ने इलाज के खर्च का मूल्य तालिका डिस्प्ले नहीं किया है , अब देखें ये गरीब मरीजों का इलाज कितना सस्ता और अच्छा कर पाता है।

लम्बे समय से मल्टीविटामिन्स का सेवन करना घातक

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के शोध से हुआ खुलासा - आयुर्वेदाचार्य डा. मदन गोपाल वाजपेयी

चंदौली। अगर आप यह मानते हैं कि विटामिन्स से कोई हानि नहीं होती और बिना चिकित्सीय सलाह के लम्बे समय से मल्टीविटामिन्स का सेवन कर रहे हैं तो अब आपको सावधान हो जाना चाहिये। क्योंकि जर्नल ऑफ अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन ने अभी हाल में ही प्रकाशित अपने एक शोध में स्पष्ट कर दिया है कि मल्टी विटामिन्स की गोलियाँ किसी तरह का फायदा नहीं पहुँचाती हैं बल्कि इनके लम्बे समय तक सेवन करने से शरीर में एक जहर बढ़ता है जिसके फलस्वरूप सिर दर्द, चक्कर आना, सुस्ती, अधिक नींद आना, शरीर दर्द जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं जो अन्ततः किसी न किसी गम्भीर रोग का कारण बनते हैं। यह उक्त विचार आयुष ग्राम चिकित्सालय चित्रकूट के आचार्य चरक स्वरूप विराजमान आयुर्वेद चिकित्सक व धनवंतरी परिवार के संस्थापक तथा हजारों शिष्यों के महागुरु भगवन स्वरूप आयुर्वेदाचार्य डा. मदनगोपाल वाजपेयी जी ने अपने शिष्यों के बीच व्यक्त करते हुए सावधान कराया। आगे बताया कि फूड सप्लीमेण्ट के रूप में विटामिन की गोलियाँ खाते रहना बहुत हानिकारक है। लेकिन दुर्भाग्यवश बहुत से डॉक्टर कमीशनखोरी के चलते लोगों को कमजोरी दूर करने के नाम पर बिना किसी जरूरत के विटामिन्स की गोलियाँ खाने की सलाह दे देते हैं। यही कारण है कि आज भारत में मल्टी विटामिन्स का बाजार 35० करोड़ रुपये हो चुका है और एक सर्वेक्षण के अनुसार 2०3० तक यह 1००० करोड़ का हो सकता है। जबकि वैश्विक स्तर पर मल्टीविटामिन्स का यह बाजार 2०21 में 18.24 बिलियन डालर का था जो 2०22 में बढ़कर 19.98 बिलियन डालर हो गया है। 2०26 तक इस 27.33 बिलियन डालर तक पहुँचने की सम्भावना है। विचारणीय प्रश्न है कि औषधियों का प्रयोग व्यक्ति को रोग से मुक्ति दिलाने के लिए किया जाता है न कि उनको रोगी बनाने के लिए। दुःख की बात तो यह है कि इस गोरख

धंधे में कारोबारियों के साथ-साथ धरती पर भगवान माना जाने वाला चिकित्सक वर्ग भी शामिल है। आज चिकित्सा वैज्ञानिक स्वयं बता रहे हैं कि विटामिन्स न तो कैंसर का रोकथाम करने में सक्षम हैं न ही व्यक्ति को कोई और फायदा पहुँचाते हैं। यह निष्कर्ष अमेरिका के वैज्ञानिकों ने विटामिन ए,बी, सी, डी, ई सहित अन्य के शोध पर करके प्राप्त किये हैं। अभी तक आम लोगों और चिकित्सकों के बीच की यही धारणा थी कि विटामिन ए कैंसर से बचाव करता है। इस शोध में पता चला है कि विटामिन ए कैंसर से किसी तरह से बचाव नहीं करता है। इसी प्रकार विटामिन ई के सेवन से हार्ट अटैक का जोखिम कम नहीं होता बल्कि उल्टा बढ़ जाता है। विटामिन्स डी का ज्यादा सेवन करने पर पथरी बननी शुरू हो जाती है बल्कि हार्ट की आटरींज में कैल्शियम जमना शुरू हो जाता है जो अन्ततः हार्ट अटैक का कारण बनता है। इसी प्रकार विटामिन 12 से भी न तो कैंसर से बचाव होता है न ही बुढ़ापा रुकता है। वास्तव में किसी न किसी रोग में किसी न किसी विटामिन की कमी हो ही जाती है। टी.बी., किडनी फेल्योर, जठरांत्र सम्बन्धी रोग जैसे गम्भीर रोगों से पीड़ित रोगियों को विटामिन्स की कमी दूर करने के लिए औषधि के रूप में ही सेवन कराया जाना चाहिये। यदि विटामिन की गोलियों के बजाय उसकी पूर्ति फलों व सब्जियों के माध्यम से की जाय तो बेहतर हो सकता है। इसी प्रकार बी-12 नामक विटामिन, जिसका प्रमुख स्रोत पेय जल है, उसे आरओ नामक शुद्धिकरण की तकनीकि का प्रयोग कर समाप्त कर दिया जाता है और उसकी आपूर्ति गोलियों और इंजेक्शन के माध्यम से की जाती है। अब तो वैज्ञानिक प्रयोगों से यह साबित भी हो चुका है कि आरओ तकनीकि स्वास्थ्यप्रद एवं हानिकारक तत्वों में भेद नहीं करती, बल्कि पानी में प्राकृतिक रूप से पाये जाने वाले अनेक खनिजों और पौष्टिक तत्वों को भी नष्ट कर देती है। इसके विपरीत, हमारे देश का स्वास्थ्य विज्ञान आयुर्वेद स्वस्थ रहने के लिए व्यक्ति को प्रकृति एवं मौसम के अनुरूप, स्थानीय स्तर पर उत्पन्न होने वाले फलों, सब्जियों और अनाजों का सेवन करने की सलाह देता आ रहा है जिनमें विटामिन्स सहित सभी प्रकार के पोषक तत्व पाये जाते हैं। यदि कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति एवं मौसम के अनुकूल फल, सब्जियों एवं अनाजों का सेवन करता है तथा उनको पचाने के लिए उपयुक्त शारीरिक श्रम या योग प्राणायाम करता है तो वह न केवल बहुत से रोगों का शिकार होने से बचा रहता है, बल्कि स्वस्थ और दीर्घायु भी होता है। यह एक स्थापित तथ्य है कि रोग हमारे गलत खान-पान और विकृत जीवनशैली के कारण ही होते हैं जबकि रसायनों से युक्त विटामिन्स की गोलियाँ हानि पहुँचाने के अलावा और कुछ नहीं करती।

गरबा और डांडिया नृत्य में जमकर झूमे प्रतिभागी

1० समूहों में तीन को बेस्ट अवार्ड से किया गया सम्मानित

बांदा, (संवाददाता)। शहर के प्रागी तालाब में कलार्पण संस्था की ओर से शक्ति साधना गरबा डांडिया नृत्य महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें साढ़े तीन सौ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। कई समूहों में बंटे प्रतिभागियों को गरबा डांडिया बेस्ट अवार्ड देकर सम्मनित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माता रानी की दिव्या भव्य आरती से प्रारंभ हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भावना केला पत्नी नगर मजिस्ट्रेट मौजजूद रहीं। छाया सिंह ,विजय कुमार ओमर ,अर्चना भारती ,किरण सेठी ,नीरज सोनी, अनुराधा सिंह ,राजकुमारी गुप्ता ,धनंजय सिंह, शिव प्रकाश सिंह ,दीनदयाल सोनी ,आनंद किशोर लाल गुप्ता ,योगेश सिन्हा,रंजना श्रीवास्तव,हर्षित,सहित 35० डांडिया के प्रतिभागी बाल , किशोर ,युवा, वयस्क युवतियों ने आरती सामूहिक रूप से प्रस्तुत किया। भव्य आरती के पश्चात ऐगिरी नंदिनी संस्कृत श्लोक के नृत्य एवं गरबा व डांडिया का सुंदर प्रस्तुतीकरण किया गया। 1० समूहों में बाटे गए डांडिया के दल एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों के प्रदर्शन किए इसपर निर्णायक की भूमिका में राजकुमारी गुप्ता ,नीरज सोनी ,अनुराधा सिंह ,अर्चना भारती तथा कार्यक्रम का संचालन दीनदयाल सोनी व नम्रता गुप्ता ने प्रस्तुत किया आए हुए सभी अगन्तुओं का अभिवादन सीए विजय कुमार गुप्ता एवं प्रबंधक रामलीला समिति तथा कोषाध्यक्ष आनंद किशोर लाल जी ने उत्तरी एवं स्मृति चिन्ह राम दरबार भेंटकर कार्यक्रम प्रारंभ किया। इस अवसर पर संपूर्ण प्रतिभागियों में उच्च स्तरीय परिधान, सुंदर प्रस्तुतीकरण एवं गरबा डांडिया बेस्ट अवॉर्ड तीन समूह में दिया गया जिनमें होनहार प्रतिभागियों में क्रमशः आरती सिंह, स्वर्णिम, खुशी, राशि, हरसी निगम, नंदिनी शिवहरे ,इवांका, श्रद्धा, पूनम ,लक्ष्मी गुप्ता ,गरिमा, आरती ,नेहा एवं आयुषी त्रिपाठी को स्मृति चिन्ह राम दरबार ,क्राउन ,पट्टिका के साथ सम्मानित किया गया तथा शेष 335 प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र देकर के मंच में सम्मानित किया गया। डांडिया गरबा का कुशल प्रशिक्षण देने वाली प्रशिक्षिकाओं में देवासी गुप्ता ,शेषाद्री शुक्ला एवं अनुपमा त्रिपाठी को कुशल प्रशिक्षक सम्मान दिया गया।

जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड पोर्टल के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ की समीक्षा

विद्युत विभाग के कार्यो में लापरवाही पर अधीक्षण अभियन्ता विद्युत को दी गयी प्रतिकूल प्रविष्टि

प्रतापगढ़। जिले में जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कैम्प कार्यालय सभागार में सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर कार्यो/योजनाओं के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ समीक्षा की। समीक्षा के दौरान सीएम डैशबोर्ड पर विद्युत विभाग की समीक्षा में आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतें डिफाल्डर श्रेणी में पाये जाने, खराब ट्रान्सफार्मर की शिकायत व लम्बित बिल भुगतान के प्रकरण पर जिलाधिकारी ने अधीक्षण अभियन्ता विद्युत सत्यपाल को कड़ी फटकार लगायी और प्रतिकूल प्रविष्टि देने हेतु निर्देशित किया। सीएम डैशबोर्ड की बैठक में ए0आर0 को-आपरेटिव एवं खनन इन्सपेक्टर अनुपस्थित पाये गये जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुये सम्बन्धित अधिकारी से स्पष्टीकरण प्राप्त करने हेतु निर्देशित

किया। पशुपालन विभाग की समीक्षा में रैकिंग ठीक नही पायी गयी जिस पर डीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुये मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि गौशालाओं की बैठक करायें तथा गौशालाओं हेतु नोडल अधिकारी नामित किये जाये। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा में वृद्धावस्था पेंशन के आवेदन अधिक संख्या में लम्बित पाये जाने पर नाराजगी जतायी और निर्देशित किया कि एक सप्ताह के अन्दर वृद्धावस्था पेंशन के लम्बित आवेदनों का निस्तारण करायें। इसी प्रकार सीएम डैशबोर्ड पर लोक निर्माण विभाग, पंचायती राज विभाग, माध्यमिक शिक्षा, पर्यटन विभाग, प्रोबेशन विभाग, उद्योग विभाग, सेतु निर्माण, राजस्व विभाग की रैकिंग ठीक न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुये सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि सीएम डैशबोर्ड पर जिन विभागों की योजनाओं में रैकिंग ठीक नही है वह रैकिंग ठीक कर लें अन्यथा की स्थिति में आगामी माह में विभागों की रैकिंग ठीक नही पायी जायेगी तो उनके विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। उन्होने अधिकारियों से कहा कि निरन्तर सीएम डैशबोर्ड की निगरानी करते रहे और अपने विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें, निर्धारित समयावधि में निस्तारित करें, सभी सम्बन्धित विभाग सीएम डैशबोर्ड को गम्भीरता से लें, सीएम डैशबोर्ड पर योजनाओं की रैकिंग ठीक रखें, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतें डिफाल्टर श्रेणी में कदापि न जाने पाये, शिकायतों को निर्धारित समय सीमा के भीतर निस्तारण करायें और आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तायुक्त ढंग से किया जाये और सम्बन्धित शिकायतकर्ता से फोन पर वार्ता भी की जायें। फैमिली आईडी-एक परिवार-एक पहचान'' की समीक्षा के दौरान आवेदनों की संख्या कम पाये जाने पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी लाभार्थीपरक योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु जनता को फैमिली आईडी बनवाने हेतु प्रोत्साहित करें और इस योजना का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय तिवारी, जिला विकास अधिकारी कृष्ण कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी प्रियंका सोनी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

मीरा चोपड़ा

का दर्द, बोलीं...

बॉलीवुड में आउटसाइडर फील होता है, थाली में परोसा हुआ जैसा कुछ नहीं मिला

प्रियंका चोपड़ा की कजिन सिस्टर मीरा चोपड़ा ने साउथ इंडस्ट्री की कई फिल्मों में काम किया है। हालांकि, उनका बॉलीवुड करियर ज्यादा कुछ खास नहीं रहा। अब हाल ही में मीरा चोपड़ा ने एक पॉडकास्ट में अपने बॉलीवुड सफर को लेकर बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे बॉलीवुड में एक आउटसाइडर फील होता है।'

मीरो बोलीं- हमारी फैमिली काफी क्लोज थी

हिटफ्लिक पॉडकास्ट में मीरा चोपड़ा ने प्रियंका चोपड़ा संग अपने रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'हमारे पिता चचेरे भाई हैं। जब हम छोटे थे, हमारी फैमिली काफी क्लोज थी। हम लोग मिडिल क्लास से आते हैं। किसी ने नहीं सोचा था कि हम ग्लैमर की दुनिया में जाएंगे। जब प्रियंका ने इस फील्ड में एक मुकाम हासिल किया, तो उसने हम सभी के लिए रास्ता खोला। वरना, मुझे लगता है कि उस समय, कोई भी मिडिल क्लास से आने वाला व्यक्ति सिनेमा में अपना करियर नहीं बनाना चाहेगा।

बॉलीवुड इंडस्ट्री कल्ट जैसी है- मीरा चोपड़ा

मीरा ने कहा, श्मैं जब बॉलीवुड में काम की तलाश कर रही थी, उस वक्त काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। मेरे लिए ऐसा बिल्कुल नहीं था कि मुझे सब कुछ एक थाली में परसों हुआ मिला हो। यह एक बिजनेस जैसा है। आपको यहां खुद अपने कनेक्शन बनाने पड़ते हैं। बॉलीवुड इंडस्ट्री कल्ट जैसी है। आपको यहां एक ग्रुप का हिस्सा बनना पड़ता है, ताकि आपको काम मिलता रहे। मैंने इस पर ध्यान नहीं दिया, इसलिए मुझे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

स्टार किड्स से भरा पड़ा है बॉलीवुड

मीरा आगे कहती हैं, श्आज बॉलीवुड पूरी तरह से स्टार किड्स से भरा पड़ा है। हालांकि, इससे दिक्कत नहीं है। लेकिन अगर स्टार किड्स में एक्टिंग के कोई गुण नहीं है। फिर भी उन्हें लगातार प्रोजेक्ट मिलते हैं, तो इससे उनका नुकसान होता है, जो वास्तव में काबिल होते हैं।

तमिल फिल्म से शुरू किया था एक्टिंग का सफर

मीरा चोपड़ा अब तक हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और अंग्रेजी भाषाओं की कई सारी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। मीरा ने 2005 में तमिल फिल्म अनबे आरुइरे से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। दूसरी फिल्म बांगरम थी, जो तेलुगु भाषा में थी। इसके बाद विक्रम भट्ट की फिल्म 1920रू लंदन से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके अलावा मीरा गैंग ऑफघोस्ट्स, नास्तिक, सेक्शन 375 जैसे फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।प्रियंक के साथ अपने पॉइंट के बारे में बात करते हुए मीरा ने हिटफिलक से कहा, ष्हमारे पिता चचेरे भाई-बहन हैं। जब हम छोटे थे, तब हम एक बहुत ही करीबी परिवार थे। बहुत मध्यम वर्ग। जब हम छोटे थे, तो किसी ने वास्तव में नहीं सोचा था कि हम ग्लैमर क्षेत्र में आएंगे। जब प्रियंका ने अपनी सफलता हासिल की, तो उन्होंने तैयारी छोड़ दी। अन्यथा, मुझे लगता है, उस समय मध्यम वर्ग ने कभी सिनेमा को प्रभावित किया था में नहीं माना। लोग दार्शनिकों और विद्वानों से आगे नहीं थे।ष

मीरा ने 2005 में तमिल फिल्म अनबे अरुइरे से अपने अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने अपने सफल कलाकारों को याद करते हुए कहा था, ष्दक्षिण में, मैंने कभी आउटलुक काम की तलाश नहीं की थी। मुझे साउथ में भी नहीं देखा क्योंकि मैं एक बहुत ही उत्तर भारतीय पंजाबी लड़की हूं। मेरे लिए एक दोस्त रही है। मैंने खुद से कहा, श्यह मेरी आखिरी फिल्म होगी।श् जब वे मुझे पैसे दे रहे थे और जो दे रहे थे, वे बहुत आकर्षित थे।ष

हालाँकि, मीरा का बॉलीवुड में सफर इतना आसान नहीं था, जहाँ उन्हें बिल्कुल नए सिरे से शुरुआत करनी पड़ी। उन्होंने कहा, ष्मैंने ऐसे लोगों की कहानियां सुनीं जो साउथ में काम करने के लिए बेताब थे, लेकिन उन्हें गलत लोग मिल गए। मुझे कभी ऐसा नहीं झेलना पड़ाय असल में, मुझे बॉलीवुड में इसका सामना करना पड़ा। यहां, मैं बाहर हूं।ष् व्यापारी काम की तलाश कर रही थी। मुझे कभी भी काम आसानी से नहीं मिला।ष

कहानियाँ जो आपको पसंद आ सकती हैं

उन्होंने आगे कहा, ष्शुरुआत में यह थोड़ा डरावना था। यह एक बहुत ही घनिष्ठ उद्योग है। बहुत से लोग नहीं जानते कि अंदर क्या होता है। कोई नहीं जानता कि कहां से शुरू करें। जब मैं यहां आई, तो मुझे नहीं पता था कि मुझे किसी खास निर्देशक से मिलना है या नहीं और मुझे इसके बारे में कैसे सोचना है। कोई भी अपना नंबर साझा नहीं करता है और अगर करता भी है, तो वह व्यक्ति आपके संदेशों का कभी जवाब नहीं देता है।ष

मीरा ने कहा कि जब उन्होंने हिंदी इंडस्ट्री में काम की तलाश करने का फैसला किया तो उन्होंने अपना श्अहंकार और रवैयाश् त्याग दिया। मीरा ने बताया, ष्मैं एक बहुत ही सफल करियर से आई हूं और मुझे पूरा भरोसा था कि मैं इसमें सफल हो जाऊंगी। जब आप एक इंडस्ट्री में सफल करियर से आते हैं, तो दूसरे में नए सिरे से शुरुआत करना मुश्किल हो जाता है।ष

उन्होंने याद करते हुए कहा, ष्शुरुआत में, मुझे बताया गया था, श्आपको नेटवर्क बनाना होगा, आपको पार्टियों में जाना होगा, आपको अपने खुद के कनेक्शन बनाने होंगेश, जो अब मुझे पता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उद्योग एक पंथ की तरह है। इस उद्योग में कई अलग-अलग पंथ हैं, और आपको एक समूह का हिस्सा बनना होगा ताकि आपको उस समूह से काम मिलता रहे। यह अभी भी उसी तरह होता है। इस उद्योग में, अगर आप सही लोगों के दोस्त हैं तो आपको काम मिलता है। यह बहुत आसान है। अपनी योग्यता साबित करने में बहुत लंबा समय और संघर्ष लगता है।ष

मीरा चोपड़ामीरा अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास और परिणीति चोपड़ा की चचेरी बहन हैं, लेकिन दोनों में से कोई भी प्रसिद्ध अभिनेत्री शादी का हिस्सा नहीं थी।

मीरा ने कहा कि उन्होंने नेटवर्किंग पर ध्यान नहीं दिया, जिसकी वजह से उनका सफर काफी मुश्किल हो गया। उन्होंने कहा कि अगर वह इनसाइडर होतीं तो चीजें अलग होतीं। ष्अगर मुझमें टैलेंट नहीं होता तो भी मैं 20 से ज्यादा फिल्में कर लेती।ष् अभिनेत्री ने दावा किया कि बॉलीवुड में औसत दर्जे के स्टार किड्स की भरमार है, जिनके पास उस तरह के रोल करने की क्षमता नहीं है जो उन्हें ऑफर किए जाते हैं। उन्होंने कहा, ष्यह कोई मुद्दा नहीं है जब एक अभिनेता का बच्चा अभिनेता बनना चाहता है। यह एक समस्या है जब एक अभिनेता का बच्चा कुशल नहीं होता है और फिर भी उसे एक के बाद एक प्रोजेक्ट दिए जाते हैं, और इस वजह से एक बाहरी व्यक्ति काम खो देता है।ष

उन्होंने अपने करियर से जुड़ी एक घटना को याद किया, जब उन्होंने स्टार किड्स के कारण भूमिकाएँ खो दी थीं। ष्कई बार, मैंने कई भूमिकाओं के लिए ऑडिशन दिए हैं, जो अब मैं नहीं देती क्योंकि मेरा उस पर से भरोसा उठ गया है। ऐसा होता है कि आप किसी भूमिका के लिए ऑडिशन देते हैं, और एक महीने बाद आपको बताया जाता है कि भूमिका किसी ऐसे व्यक्ति को मिल गई है जो इंडस्ट्री से ताल्लुक रखता है। यह एक आम चलन बन गया है।ष

उन्होंने निष्कर्ष निकाला, ष्फिलहाल इंडस्ट्री स्टार किड्स से भरी पड़ी है, और माफ करें, वे बहुत औसत दर्जे के हैं। आलिया (भट्ट) को छोड़कर, मुझे ऐसा कोई नहीं दिखता जो उनके जैसा काम करने की क्षमता रखता हो। उन्हें सिर्फ इसलिए काम मिल रहा है क्योंकि वे इसी इंडस्ट्री में जन्मे और पले-बढ़े हैं। क्या कोई चार फ्लॉप फिल्मों के बाद किसी बाहरी व्यक्ति पर दांव लगाएगा? नहीं।ष

मंच पर गिरने से बाल-बाल बचीं रुबीना दिलैक

एक्ट्रेसेस का कमबैक

टीवी पर आने वाले दिनों में कई एक्टर्स का कमबैक देखने को मिलने वाला है. फैंस अपने फेवरेट एक्टर्स को स्क्रीन पर देखने के लिए एक्साइटेड हैं. टीवी की दुनिया में कई एक्टर्स कमबैक करने वाले हैं. इस लिस्ट में आयशा सिंह से लेकर तन्वी हेगड़े तक का नाम शामिल है. शिवम खजूरिया शो अनुपमा में लीड रोल निभाने वाले हैं. वो पहले शो ये रिश्ता क्या कहलाता में नजर आए थे. अब उन्हें अनुपमा में लीड रोल मिला है. अनुपमा में लीप के बाद शिवम ही मैन किरदार में होंगे. मिश्कत वर्मा की भी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग हैं. फैंस उन्हें स्क्रीन पर काफी पसंद करते हैं. रिपोर्ट्स हैं कि उन्हें भी नया प्रोजेक्ट मिला है. अभी तक इस प्रोजेक्ट को लेकर ज्यादा कुछ सामने नहीं आया है. लेकिन फैंस उन्हें स्क्रीन पर देखने के लिए एक्साइटेड हैं. सोनपरी की फरूटी (तन्वी हेगड़े) तो हर 90 किड्स की जान हैं. बॉलीवुड लाइफ की रिपोर्ट के मुताबिक, तन्वी हेगड़े भी स्क्रीन पर नजर आने वाली हैं. वो शो अनुपमा में किंजल-तोषू की बेटी परी के रोल में दिख सकती हैं. अभी तक इसे लेकर ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं है. अदिती शर्मा के भी जल्द ही डेली सोप में कमबैक करने की खबरें हैं. रिपोर्ट्स हैं कि वो शो ।चचवससमदं में लीड रोल प्ले करती दिखेंगी. अलीशा परवीन जल्द ही टीवी के टॉप शो अनुपमा का हिस्सा बनने वाली हैं. वो शो में लीड रोल प्ले करेंगी. शो में वो आध्या के रोल में दिखेंगी. शो का प्रोमो भी रिलीज कर दिया गया है. आध्या के रोल में उन्हें देखना मजेदार होगा. प्रियांशी यादव को शो पंड्या स्टोर से फेम मिला था. अब वो जल्द ही शो डोरे 2 में लीड रोल में नजर आएंगी. आयाशा सिंह को फैंस सई के किरदार के लिए जानते हैं. वो शो गुम हैं किसी के प्यार में नजर आई थीं. अब खबरें हैं कि वो कलर्स के एक नए सीरियर में नजर आने वाली हैं. सुरभि चंदना भी कमबैक करने वाली हैं. उन्हें पिछली बार शो शेरदिल शेरगिल में देखा गया था. अब रिपोर्ट्स हैं कि वो शो ।चचवससमदं में कैमियो रोल प्ले करती दिखेंगी.

मंयक यादव- नितीश रेड्डी को टेस्ट में कब मिलेगा मौका? कप्तान रोहित शर्मा ने दिया ये जवाब

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। लेकिन उससे पहले टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने तेज गेंदबाज मयंक यादव और ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी के जल्द टेस्ट डेब्यू होने के संकेत दिए। मयंक और नितीश दोनों ही बांग्लादेश के खिलाप हाल ही में संपन्न तीन मैचों की सीरीज में भारत की टी20 टीम का हिस्सा थे।

16 अक्टूबर यानी बुधवार से भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। लेकिन उससे पहले टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने तेज गेंदबाज मयंक यादव और ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी के जल्द टेस्ट डेब्यू होने के संकेत दिए। मयंक और नितीश दोनों ही बांग्लादेश के खिलाप हाल ही में संपन्न तीन मैचों की सीरीज में भारत की टी20 टीम का हिस्सा थे। दूसरे टी20 मैच में नितीश ने 34 गेंदों पर 74 रन बनाकर प्रभावित किया। इसमें 3 विकेट भी झटके हैं। मयंक ने भी गेंद से शानदार प्रदर्शन किया। तीन मैचों में सात से कम की इकॉनमी से चार विकेट चटकाए। इन दोनों को प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा के साथ आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल किया गया है। इस बीच न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट से पहले टेस्ट कॉन्फ्रेंस में दोनों को लेकर सवाल हुआ। रोहित शर्मा ने कहा कि, मैं समझता हूं कि उन्होंने बहुत नहीं खेला है। हम बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं।

अगर हम किसी को जल्दी से जल्दी टीम में चाहते हैं। हम बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं। अगर हम किसी को जल्दी से जल्दी टीम में चाहते हैं, तो हम उन्हें जल्दी से टीम में लाएंगे। अगर कोई चोटिल हो जाता है तो हम चाहते हैं कि वे आगे आएं। उनके आस-पास होना, उनसे बात करना और ये देखना अच्छा है कि वे टेस्ट क्रिकेट को कैसे देखते हैं। उन्हें धीरे-धीरे तैयार करना अहम है। इस साल के आईपीएल में नितीश और मयंक ने सुर्खियां बटोरीं और ये दोनों ही नाम घर-घर में चर्चा में रहे। हाल के सीजन में सिर्फ चार मैच खेलने के बावजूद मयंक ने अपनी गति से क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा। उनके साथ विकेटों में जॉनी बेयरस्टो और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों का विकेट लेना भी शामिल था। वहीं सनराइजर्स के लिए नितीश ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में विराट से दमदार प्रदर्शन की उम्मीद, 9000 रन पूरे करने से 53 रन दूर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली से आगामी टेस्ट सीरीज में दमदार प्रदर्शन की उम्मीद है। किंग कोहली के पास अब टेस्ट क्रिकेट में नौ हजार रन पूरे करने का सुनहरा मौका है। वह ऐसा करने से सिर्फ 53 रन दूर है। फिलहाल वह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। इस लिस्ट में शीर्ष पर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं। पिछली आठ पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक लगा सके कोहली भारत और न्यूजीलैंड के बीच 16 अक्तूबर से शुरू होने जा रहे टेस्ट मुकाबले में भारतीय दिग्गज से बड़ी पारी की आस है। कोहली ने टेस्ट की पिछली आठ पारियों में सिर्फ एक बार अर्धशतक लगाया है। दिसंबर, 2023 में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 76 रनों की दमदार पारी खेली थी। वहीं, बांग्लादेश के खिलाफ खत्म हुई दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भी उनका बल्ला कुछ खास नहीं चला। गंभीर ने जताया कोहली पर भरोसा चेन्नई टेस्ट में पूर्व कप्तान ने पहली पारी में छह और दूसरी पारी में 17 रन बनाए। वहीं, कानपुर में उन्होंने पहली पारी में 47 रन और दूसरी पारी में नाबाद 29 रन बनाए। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए शुरुआत से पहले गंभीर ने उम्मीद जताई कि आगामी सीरीज में वह अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। गंभीर ने कहा- कोहली को लेकर मेरी सोच एकदम स्पष्ट है कि वह विश्व स्तरीय क्रिकेटर हैं। उसने इतने साल से इतना अच्छा प्रदर्शन किया है। रनों को लेकर उसकी भूख वैसी ही है जैसी पदार्पण के समय थी। मुझे याद है जब मैंने उनके डेब्यू पर श्रीलंका के खिलाफ कोहली के साथ साझेदारी की थी। उस समय में उनके अंदर रन बनाने की ऐसी ही भूख थी। यही भूख उसे विश्व स्तरीय क्रिकेटर बनाती है। मुझे यकीन है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में और फिर ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान भी रन बनाएगा। कोहली ने इस वर्ष नहीं लगाया है कोई अर्धशतक विराट ने इस वर्ष तीन टेस्ट मैच खेले हैं इनमें कोई अर्धशतक नहीं लगाया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके प्रदर्शन पर नजर डालें तो 11 टेस्ट मुकाबलों में उन्होंने 45.57 के औसत से 866 रन बनाए हैं। वहीं, उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 211 का रहा है। कोहली ने कीवियों के खिलाफ इस प्रारूप में तीन शतक और इतने ही अर्धशतक लगाए हैं। ज्ब् की तालिका में शीर्ष पर भारत विश्व टेस्ट चौंपियनशिप को लेकर भारत का सफर शानदार ढंग से जारी है। 74.24 प्रतिशत अंकों के साथ भारतीय टीम लगातार तीसरे टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल में खेलने की सबसे बड़ी दावेदार है। न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में भी रोहित शर्मा की टीम को मजबूत दावेदार माना जा रहा है। बांग्लादेश पर 2-0 से जीत के बाद भारतीय टीम सभी विभागों में खरी उतरी। विराट कोहली का बल्ला पिछले कुछ मैचों से शांत रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफतीन मैचों की टेस्ट सीरीज में फैंस को कोहली से कई उम्मीदें हैं। विराट द्वारा खेली गई पिछली आठ पारियों में महज एक अर्धशतक निकला है। वो भी उन्होंने 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ लगाया था। 16 अक्टूबर से भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला पिछले कुछ मैचों से शांत रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में फैंस को कोहली से कई उम्मीदें हैं। विराट द्वारा खेली गई पिछली आठ पारियों में महज एक अर्धशतक निकला है। वो भी उन्होंने 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ लगाया था। 16 अक्टूबर से भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट में 9000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने के काफी करीब है। 16 अक्टूबर से चिन्नास्वामी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट में विराट कोहली को 9 हजार रन पूरे करने के लिए 53 रनों की जरूरत है। अगर वह ऐसा करने में कामयाब होते हैं तो वह टेस्ट में 9000 रन से ज्यादा बनाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। विराट से पहले ये कारनामा सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर कर चुके हैं। वह टेस्ट में नौ हजार रन या उससे ज्यादा रन बनाने वाले 18वें बल्लेबाज भी बन जाएंगे। भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने अब तक अपने टेस्ट करियर में 115 मैच खेलते हुए 8947 रन बनाए हैं। इसमें 29 शतक और सात दोहरा शतक शामिल है। उन्हें नौ हजार रन का बैरियर पार करने के लिए महज 53 रन की जरूरत है। कोहली ने 30 अर्धशतक भी लगाए हैं, उनका बेस्ट स्कोर 254 है। भारत तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए तैयार है उसके बाद ऑस्ट्रेलिया का चुनौतीपूर्ण दौरा होगा। ऐसे में विराट का अनुभव और टीम के लिए उनका समर्पण अहम साबित होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज शुरू होने से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने विराट कोहली की तारीफ करते हुए कहा कि उनमें रनों की भूख पहले की तरह ही बरकरार है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में अश्विन मचाएंगे गदर! तीन विकेट लेते ही तोड़ देंगे नाथन लायन का रिकॉर्ड

बेंगलुरु। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद अब भारतीय टीम की नजर न्यूजीलैंड के खिलाफ16 अक्तूबर से शुरू होने जा रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज पर है। इस दौरान भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की नजर बड़े रिकॉर्ड्स पर होगी। बता दें कि, 38 वर्षीय ने अब तक टेस्ट में 527 विकेट अपने नाम किए हैं। वह भारत के लिए सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले अनिल कुंबले (619) के बाद दूसरे गेंदबाज हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा मैच (24-28 अक्तूबर) पुणे और तीसरा मुकाबला (1-5 नवंबर) मुंबई में खेला जाएगा। इस मैच में अश्विन की नजर पांच रिकॉर्ड्स पर होगी। वह तीन विकेट लेते ही नाथन लायन के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे। आइये जानते हैं... विश्व टेस्ट चौंपियनशिप में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज अश्विन ने भारत के लिए अब तक 37 विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के मुकाबले खेले हैं। इनमें उन्होंने 185 विकेट चटकाए हैं। आगामी सीरीज में तीन विकेट लेते ही वह नाथन लायन के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे और विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के इस दिग्गज स्पिनर के नाम 43 डब्ल्यूटीसी मैचों में 187 विकेट दर्ज हैं ज्ब् में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों की लिस्ट गेंदबाज मैच विकेट इकोनॉमी नाथन लायन (ऑस्ट्रेलिया) 43 187 2.75 रविचंद्रन अश्विन (भारत) 37 185 2.76 पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया) 42 175 2.91 मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया) 38 147 3.46 स्टुअर्ट ब्रॉड (इंग्लैंड) 33 134 3.04 विश्व टेस्ट चौंपियनशिप में 200 विकेट चटकाने वाले पहले गेंदबाज बनने का मौका आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में अगर अश्विन 15 विकेट लेने में कामयाब होते हैं, तो वह इतिहास रच देंगे। वह विश्व टेस्ट चौंपियनशिप में विकेटों का दोहरा शतक पूरा करने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन जाएंगे। टेस्ट में सबसे ज्यादा बार पांच विकेट हॉल लेने वाले दूसरे गेंदबाज बनने का मौका अश्विन ने भारत के लिए खेले 102 टेस्ट मैचों में अपनी घातक गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया है। उनके नाम इस प्रारूप में 37 बार पांच विकेट हॉल लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने इस मामले में शेन वॉर्न की बराबरी कर ली है। आगामी सीरीज में अगर वह फाइफर हासिल करने में कामयाब होते हैं तो वह ऐसा करने दूसरे गेंदबाज बन जाएंगे। एक पारी में सर्वाधिक बार पांच विकेट हॉल चटकाने वाले गेंदबाज गेंदबाज मैच विकेट इकोनॉमी फाइव-फर मुथैया मुरलीधरन (श्रीलंका) 133 800 2.47 67 रविचंद्रन अश्विन (भारत) 102 527 2.81 37 शेन वॉर्न (ऑस्ट्रेलिया) 145 708 2.65 37 रिचर्ड हेडली (न्यूजीलैंड) 86 431 2.63 36 अनिल कुंबले (भारत) 132 619 2.69 35 टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले सातवें गेंदबाज बनने का मौका अश्विन ने टेस्ट की 193 पारियों में 527 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया है। चेन्नई के इस गेंदबाज के पास नाथन लायन से आगे निकलना का सुनहरा मौका है। वह चार विकेट चटकाते ही ऑस्ट्रेलिया के घातक स्पिनर के रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। लायन के नाम टेस्ट में 530 विकेट दर्ज हैं। तीन विकेट चटकाते ही वह टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले सातवें गेंदबाज बन जाएंगे। टेस्ट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज गेंदबाज मैच विकेट इकोनॉमी मुथैया मुरलीधरन (श्रीलंका) 133 800 2.47 शेन वॉर्न (ऑस्ट्रेलिया) 145 708 2.65 जेम्स एंडरसन (इंग्लैंड) 188 704 2.79 अनिल कुंबले (भारत) 132 619 2.69 स्टुअर्ट ब्रॉड (इंग्लैंड) 167 604 2.97 ग्लेन मैक्ग्रा (ऑस्ट्रेलिया) 124 563 2.49 नाथन लायन (ऑस्ट्रेलिया) 129 530 2.93 रविचंद्नन अश्विन (भारत) 102 527 2.81 भारतीय सरजमीं पर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज अश्विन ने भारत में खेले 128 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कुल 466 विकेट लिए हैं। अगर वह न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज में 11 विकेट चटका लेते हैं।

भारत के खिलाफ सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को झटका, बेहतरीन गेंदबाज हुआ बाहर

न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज बेन सियर्स घुटने की चोट के कारण भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। श्रीलंका में हाल ही में टेस्ट सीरीज के दौरान ट्रेनिंग के दौरान सियर्स को बाएं घुटने में दर्द हुआ था। पिछले हफ्ते न्यूजीलैंड में उनका स्कैन किया गया था।

भारत- न्यूजीलैंड के बीच 3 मैचों की टेस्ट सीरीज 16 अक्टूबर से खेली जाएगी। पहला टेस्ट बेंगलुरु में खेला जाएगा। इससे पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज बेन सियर्स घुटने की चोट के कारण भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। श्रीलंका में हाल ही में टेस्ट सीरीज के दौरान ट्रेनिंग के दौरान सियर्स को बाएं घुटने में दर्द हुआ था। पिछले हफ्ते न्यूजीलैंड में उनका स्कैन किया गया था। न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि स्कैन में सियर्स के मेनिस्कस में चोट का पता चलने के बाद भारत जाने में देरी हुई। मेडिकल एडवाइस के बाद वह सीरीज से बाहर हो गए। ओटागो वोल्ट्स के अनकैप्ड गेंदबाज जैकब डफी को सीयर्स की जगह टीम में शामिल किया गया है। वे मंगलवार शाम को भारत के लिए रवाना होंगे। ओटागो के लिए सबसे ज्यादा विकेट झटकने वाले 30 वर्षीय डफी ने ब्लैककैप्स के लिए 6 वनडे और 14 टी20 मैच खेले हैं। वर्तमान में उनके नाम 299 प्रथम श्रेणी विकेट हैं। वहीं 26 वर्षीय बेन सियर्स ने इस साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू किया था। उन्होंने 1 टेस्ट की 2 पारियों में 5 विकेट झटके हैं।

अंतरराष्ट्रीय करियर को कहेंगी अलविदा, इस दिन करेंगी ऐलान

भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल जल्द ही अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर को अलविदा कह देंगी। बता दें कि, रानी लंबे समय यानी की 3 साल से टीम इंडिया से बाहर हैं। वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह भारत-जर्मनी मैच के दौरान अपने फैसले का ऐलान कर सकती हैं। रानी रामपाल ने 2008 में भारत के लिए डेब्यू किया था। जहां उन्होंने 254 मैचों में 120 गोल अपने नाम किए हैं। साथ ही 2018 में हुए एशियन गेम्स में सिल्वर और 2014 के एशियाड में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली टीम का भी अहम हिस्सा थीं। इसके अलावा रानी रामपाल की कप्तान में भारतीय महिला हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में चौथा हासिल किया था टीम पदक से चूक गई थी। ओलंपिक के बाद उस दौरान के कोच श्योर्ड मरीन्ये अपने पद से हट गए थे और उनकी जगह यानेक शॉपमैन जिम्मेदारी संभाली थी। ऐसा माना जाता है कि यानेक और रानी के बीच रिश्तों में कुछ नोकझोंक थी। उस दौरान रानी रामपाल चोट से भी जूझ रही थीं, शायद ये वजह थी कि साल 2022 में गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में 6 मुकाबलों में 18 गोल करने के बावजूद उनकी टीम इंडिया में वापसी नहीं हुई।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, चोटिल होने के कारण ये ऑलराउंडर बाहर

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। ग्रीन को अपनी रीढ़ की हड्डी की सर्चरी करानी होगी और पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वह कम से कम 6 महीने तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। इसका मतलब है कि वह केवल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी ही नहीं बल्कि श्रीलंका दौरे और चौंपियंस ट्रॉफी के लिए भी उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। वह इंडियन प्रीमियर लगी 2025 से भी बाहर हो सकते हैं। इस बीच इंडिया ए के खिलाफ सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम घोषित हो गई है। युवा खिलाड़ी सैम कोंस्टास इस महीने के आखिरी में इंडिया ए के खिलाफ होने वाले मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम में चुने गए हैं। इसके साथ ही वह टेस्ट टीम में चुने जाने की रेस में आ गए हैं। नेशनल सिलेक्शन पैनल ने सोमार को दो चार दिवसीय मुकाबलों के लिए 17 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की। भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के मद्देनजर सीरीज अहम है। ग्रीन के चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के टॉप 6 में जगह खाली है। ऑलराउंडर के उपलब्ध न होने पर स्टीव स्मिथ नंबर 4 पर खेलते दिख सकते हैं। उस्मान ख्वाजा को नया ओपनिंग पार्टनर मिल सकता है। वैसे भी ऑस्ट्रेलिया टीम मैनेजमेंट स्मिथ को फिर से नंबर 4 पर खिलाने का विचार हो रहा है।

भारतीय पुरुष टीम ने एशियाई टेबल टेनिस चौंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

पहले भारतीय महिला टेबल टेनिस ने ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल जीता। उसके बाद गुरुवार को भारतीय पुरुष टीम ने भी ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। दरअसल, कजाकिस्तान के अस्ताना में चल रही एशियाई टेबल टेनिस चौंपियनशिप के सेमीफाइनल में भारत को चीनी ताइपे से 0-3 से हार झेलनी पड़ी। जिसके बाद भारतीय टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। एशियाई टेबल टेनिस चौंपियनशिप में पुरुष टीम स्पर्धा में ये भारत का लगातार तीसरा पदक था। जिसने 2021 और 2023 सीजन में कांस्या पदक जीते थे। कुल मिलाकर ये महाद्वीपीय टेबल टेनिस मीट में भारत का सातवां मेडल था, जिसमें से सभी सात कांस्य पदक थे। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों को अपने उच्च रैंक वाले प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ शुरु से ही कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। पांच बार के ओलंपियन और दुनिया के 42वें नंबर के खिलाड़ी शरत कमल ने दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी लिन युन जू के खिलाफ पहले मैच में भारत का नेतृत्व किया। शरत दूसरे और तीसरे गेम में बढ़त बनाए रखने के बावजूद इसका फायदा नहीं उठा पाए और उन्हें 3-0 से हार का सामना करना पड़ा।

बेटी सारा के जन्मदिन पर सचिन तेंदुलकर ने अनदेखी तस्वीर शेयर किया भावुक पोस्ट, भाई अर्जुन ने भी दी बधाई

क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर 12 अक्टूबर को अपना 27वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर सचिन ने बेटी की अनदेखी तस्वीर शेयर कर दिल छूने वाला कैप्शन लिखा। वहीं भाई अर्जुन ने भी बहन के लिए पोस्ट किया। बता दें कि, सचिन ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर कीं, जहां पहली तस्वीर में सारा बहुत छोटी सी उनकी गोद में बैठी हुई हैं।

वहीं दूसरी तस्वीर में वह सारा के साथ सोफे पर बैठे हुए हैं जहां उनके दो पालतू कुत्ते भी दिख रहे हैं। सचिन ने कैप्शन में लिखा कि, एक छोटे से वंड से लेकर एक वंडरफुल और तक, तुमने मुझे हमेशा एहसास दिलाया है कि मैं कि कितना लकी हूं कि तुम मेरी जिंदगी में हो। तुम्हारी वजह से मेरा दिल प्यार से भर जाता है। जन्मदिन मुबारक सारा। सचिन के साथ भाई अर्जुन ने भी बहन सारा को उनके जन्मदिन पर बधाई दी है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है जिसमें वो सारा के साथ नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा कि, जन्मदिन मुबारक सारा।

मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है: संजू सैमसन

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा कि उन्होंने शीर्ष स्तर की क्रिकेट में दबाव और असफलताओं के साथ जीना सीख लिया है तथा उन्होंने टीम प्रबंधन का भी आभार व्यक्त किया।

गंभीर मौके पर टीम इंडिया को गौतम ने दिलाई जीत, सियासत में भी दिखा चुके हैं दमखम

आज यानी की 14 अक्तूबर को टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं। गंभीर की कोचिंग में भारतीय क्रिकेट टीम कई नए इतिहास रचने को तैयार हैं।

गौतम गंभीर भारतीय टीम को एक नए मुकाम पर पहुंचाने की कोशिश में लगे हैं। न सिर्फ क्रिकेट की दुनिया में अपना परचम लहराने वाले गौतम गंभीर दिल्ली से भाजपा के सांसद भी रह चुके हैं। हालांकि भारत के हेड कोच बनने के लिए गंभीर ने इस पद से रिजाइन दे दिया था। इस समय उनका फुल फोकस भारतीय टीम की परफेक्ट कोचिंग में हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर पूर्व बल्लेबाज और मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... डेब्यू मैच बता दें कि क्रिकेटर ने महज 10 साल की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरूकर दिया था। उन्होंने सिर्फ 22 साल की उम्र में भारतीय टीम के लिए खेलना शुरूकर दिया था।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा श्हीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।